E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 71 | प्रयागराज, शनिवार 23 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान,ओमान के साथ फीस पर निगोसिएशन, अमेरिका बोला- यह मंजूर नहीं

तेहरान। ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर फीस वसूली के सिस्टम को लेकर बातचीत कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नई बनाई गई पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के 'मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया' की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा। फरवरी में अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रोक दिया था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों में तेजी आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग से राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा शुरू की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसका विरोध किया। दुनिया के करीब 20फीसदी समुद्री तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह के शुल्क या प्रतिबंध का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग पर पड़ सकता है। सीधे टोल नहीं वसूलेगा ईरान- रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सीधे टोल लगाने के बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है। दो ईरानी अधिकारियों के मुताबिक ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। पिछले 24 घंटे क 5 बड़े अपडेट्सः-1. ट्रम्प बोले- जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं थाः ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका के पास युद्ध के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने दावा किया कि होर्मुज में खड़े 1600 तेल जहाज जल्द निकलेंगे, जिससे तेल की कीमतें गिरेंगी। 2. ईरान बोला- हमारे पास अभी कई सीक्रेट हथियार बाकी- अमेरिका की धमकियों के बीच ईरान ने दावा किया कि उसके पास कई आधुनिक और अनटेस्टेड हथियार मौजूद हैं। ईरानी सैन्य सूत्रों ने कहा कि अगली बार हमला हुआ तो जवाब बिना किसी संयम के दिया जाएगा। 3. ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में मतभेद- रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के साथ तनाव कम करने और सीजफायर बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि इजराइल दोबारा सैन्य कार्रवाई के पक्ष में है। नेतन्याहू सरकार ईरान पर दबाव बनाए रखना चाहती है। 4. जंग के बीच फिर महंगा हुआ तेलः ईरान युद्ध और सप्लाई संकट की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव और अमेरिकी तेल भंडार में गिरावट से बाजार में चिंता बढ़ी है। 5. अमेरिका बोला- ईरान ने होर्मुज में टोल वसूला तो डील मुश्किल- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों से टोल वसूलता है, तो अमेरिका-ईरान समझौता मुश्किल हो जाएगा। ट्रम्प ने भी कहा कि होर्मुज एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां टोल मंजूर नहीं होगा।

भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना वेनेजुएला,होर्मुज बंद होने के बाद भारतीय कंपनियों ने खरीद बढ़ाई

नयी दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मच गई है। ऐसे वक्त में जब मिडिल ईस्ट के देशों की तेल सप्लाई पर असर पड़ा, तब वेनेजुएला अचानक भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बनकर उभरा है। एनर्जी ट्रैकिंग डेटा केप्लर के मुताबिक वेनेजुएला ने मई 2026 में सऊदी अरब और अमेरिका दोनों को पीछे छोड़ दिया है। अभी केवल रूस और यूएई ने ही वेनेजुएला से ज्यादा तेल सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने भारत को वेनेजुएला से होने वाली तेल सप्लाई अप्रैल के मुकाबले करीब 50 फीसदी बढ़ गई है। अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल निर्यात पर कुछ ढील दी थी। उसी के बाद अप्रैल से भारत में फिर से वेनेजुएला का तेल आना शुरू हुआ। 9 महीने बाद भारत ने तेल खरीदना शुरू किया-केप्लर डेटा के मुताबिक, मई में अब तक भारत ने वेनेजुएला से करीब 4.17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा है। अप्रैल में यह आंकड़ा 2.83 लाख बैरल प्रतिदिन था, जबकि उससे पहले लगातार 9 महीने तक भारत ने वेनेजुएला से कोई तेल नहीं खरीदा था। इस बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह दो हैं। पहली- मिडिल ईस्ट में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से सप्लाई प्रभावित हुई है। दूसरी- वेनेजुएला का भारी और हाई-सल्फर वाला कच्चा तेल सस्ता पड़ रहा है। रिलायंस जैसी भारतीय रिफाइनरियां इसे प्रोसेस करने में सक्षम हैं, इसलिए उन्होंने खरीद बढ़ा दी। केपलर के एनालिस्ट निखिल दुबे के मुताबिक भारतीय रिफाइनर लंबे समय से वेनेजुएला के तेल में दिलचस्पी दिखाते रहे हैं, क्योंकि यह सस्ता है और भारत के रिफाइनिंग सिस्टम के अनुकूल है। खास तौर पर गुजरात में रिलायंस की रिफाइनरी भारी तेल के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। उनके मुताबिक भारत की ज्यादातर रिफाइनरियां वेनेजुएलाई तेल सीमित मात्रा में ही प्रोसेस कर सकती हैं, लेकिन रिलायंस के पास ऐसी तकनीक है, जिससे उसे सबसे ज्यादा फायदा हो रहा है। सऊदी अरब ने तेल की कीमत बढ़ाई-भारत का कुल कच्चा तेल आयात मई में बढ़कर 49 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया है, जो अप्रैल से 8फीसदी ज्यादा है। लेकिन यह अभी भी फरवरी के 52 लाख बैरल प्रतिदिन के स्तर से नीचे है। फरवरी के बाद ईरान युद्ध और होर्मुज संकट ने पश्चिम एशिया से तेल सप्लाई को प्रभावित किया। ईरान से भारत को अप्रैल में 7 साल बाद फिर तेल मिला था, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील दी गई थी। लेकिन मई में अब तक ईरानी तेल नहीं पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की वजह से ईरान के बंदरगाहों से सप्लाई रुक गई। इराक से कुछ सप्लाई दोबारा शुरू हुई है, लेकिन वह भी फरवरी के मुकाबले बहुत कम है। मई में अब तक भारत को इराक से सिर्फ करीब 51 हजार बैरल प्रतिदिन तेल मिला, जबकि फरवरी में यह करीब 9.69 लाख बैरल प्रतिदिन था। सऊदी अरब की सप्लाई में भी भारी गिरावट आई है। अप्रैल में भारत को सऊदी अरब से 6.7 लाख बैरल प्रतिदिन तेल मिला था, जो मई में घटकर करीब 3.4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। केप्लर के मुताबिक इसकी वजह सऊदी तेल की बढ़ी कीमतें हैं, यानी भारतीय कंपनियों को वेनेजुएला का तेल ज्यादा सस्ता पड़ रहा है। भारत ने रूस से तेल खरीद बढ़ाई-भारत ने ईरान युद्ध शुरू होने के बाद रूसी तेल पर अपनी निर्भरता और बढ़ा दी है। इसकी बड़ी वजह पश्चिम एशिया से आने वाली सप्लाई में भारी गिरावट है। मार्च में भारत को मिडिल ईस्ट से मिलने वाला कच्चा तेल फरवरी के मुकाबले 61फीसदी गिरकर 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। वहीं इसी दौरान रूस से सप्लाई लगभग दोगुनी होकर करीब 23 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गई। भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान और खाड़ी देशों से कम हुई सप्लाई की भरपाई रूसी तेल से की। द इंडिपेंडेंट के मुताबिक जो रूसी तेल पहले भारत को डिस्काउंट पर मिलता था, अब वही प्रीमियम कीमत पर बेचा जा रहा है। यानी ईरान युद्ध के बाद बने हालात का रूस को बड़ा फायदा हुआ है और उसे ज्यादा मुनाफा मिल रहा है। वेनेजुएला की राष्ट्रपति जल्द भारत आएंगी-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज अगले हफ्ते भारत आ सकती हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान तेल आपूर्ति को लेकर बातचीत होगी। करीब 303 अरब बैरल तेल भंडार के साथ वेनेजुएला दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वाला देश माना जाता है। यह भंडार सऊदी अरब और अमेरिका से भी ज्यादा है। हालांकि वर्षों तक अमेरिकी प्रतिबंधों और सरकारी कुप्रबंधन की वजह से वहां तेल उत्पादन बुरी तरह प्रभावित रहा। अब अमेरिका और वेनेजुएला दोनों कोशिश करेंगे कि भारत के साथ ऐसा समझौता हो जाए, जिससे वेनेजुएला से तेल निर्यात में आई यह तेजी आगे भी जारी रह सके।आम तौर पर भारत का लगभग आधा कच्चा तेल खाड़ी देशों से होर्मुज स्ट्रेट के जरिए आता है। इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में एलएनजी और पेट्रोलियम गैस भी आती है।

भारत के बाद पाकिस्तान में भी बनी कॉकरोच अवामी पार्टी, बायो में लिखा- कॉपी किया है, लेकिन मकसद वही है

इस्लामाबाद। भारत के बाद अब पाकिस्तान में भी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की तरह कई ऑनलाइन पार्टी बन गई है जो तेजी से लोकप्रिय हो रही है। वहां भी कॉकरोच अवामी पार्टी और कॉकरोच अवामी लीग जैसे कई ग्रुप बनने लगे हैं। सबसे पहले इंस्टाग्राम पर कॉकरोच अवामी पार्टी नाम का पेज सामने आया। इस पेज ने खुलकर माना कि वह भारतीय आंदोलन से प्रेरित है। उसके बायो में लिखा गया, 'हां कॉपी किया है, तो क्या हुआ। मकसद वही है।' खबर लिखे जाने तक इस अकाउंट के 1600 से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके थे। पाकिस्तानी अकाउंट का कहना है कि वह किसी एक व्यक्ति या टीम से जुड़ा नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की पूरी जेन-ज़ी पीढ़ी की आवाज बनना चाहता है। इसका लोगो भारतीय पार्टी जैसा ही है, लेकिन रंग हरा और सफेद रखा गया है। यह खुद को इमरान खान की पीटीआई, पीएमएल-एन और पीपीपी जैसी मुख्यधारा की पार्टियों के विकल्प के तौर पर पेश कर रहा है। इसके ज्यादातर पोस्ट मीम्स और छोटे वीडियो हैं, जिन्हें अलग-अलग क्रिएटर्स से लिया गया है। इस अकाउंट ने यह भी कहा है कि वह 28 मई को अपना आधिकारिक नारा जारी करेगा। वहीं कॉकरोच अवामी लीग पाकिस्तान नाम के एक दूसरे अकाउंट ने खुद को आधिकारिक बताया है। उसका उर्दू नारा है, हर हालात में जिंदा हैं। हालांकि भारत की कॉकरोच जनता पार्टी के पास स्पष्ट संस्थापक, घोषणापत्र और वेबसाइट है, लेकिन पाकिस्तान में बने ये ग्रुप अभी बिखरे हुए हैं। वहां कई लोग अपने-अपने तरीके से ऐसे पेज बना रहे हैं।

अमेरिकी पुलिस गुरुद्वारे में जूते पहनकर घुसी,सिर भी नंगा,गोलक को लेकर हुआ था झगड़ा,एसजीपीसी बोली- दोषियों पर कार्रवाई हो

अमृतसर। अमेरिका की पुलिस एक गुरुद्वारे में जूते पहनकर ही अंदर घुस गई। जिस जगह पुलिस वाले खड़े थे, वहीं पर श्री गुरू ग्रंथ साहिब का पवित्र स्वरूप भी रखा हुआ था। इसका वीडियो सामने आते ही पंजाब में सिख संगठनों में गुस्सा है। उन्होंने इसे मर्यादा के उलट बताया है। पुलिस यहां गोलक को लेकर हुए विवाद के बाद आई थी। हालांकि इस बारे में अभी तक गुरुद्वारा कमेटी या अमेरिकी पुलिस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि अमेरिका में रहने वाले कुछ लोगों का दावा है कि जूते भी अमेरिकी पुलिस की यूनिफॉर्म का हिस्सा हैं। ऑन ड्यूटी होने पर वह इसे नहीं उतार सकते। वहीं एसजीपीसी ने इस मामले में श्री अकाल तख्त साहिब से मामले की जांच करवाकर ऐसे हालात बनाने के दोषियों को तलब करने और उन पर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका के फिलाडेल्फिया में गुरुद्वारा है। 19 मई को यहां पर गोलक में आए डॉलर और नोट गिने जा रहे थे। इस दौरान गिनती में अंतर को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि किसी ने फोन कर वहां अमेरिकी पुलिस बुला ली।

एसबीआई बैंक आज से 6-दिन बंद, 23 से 28 मई तक नहीं होगा कामकाज,वजह- वीकेंड, हड़ताल और बकरीद की छुट्टी

नयी दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई के ग्राहकों को ब्रांच से जुड़े अपने सभी जरूरी काम के लिए इंतज़ार करना पड़ सकता हैं ऐसा इसलिए, क्योंकि 23 मई से 28 मई 2026 के बीच एसबीआई की ब्रांच लगातार 6 दिनों तक बंद रह सकती हैं। इसकी मुख्य वजह वीकेंड, कर्मचारियों की प्रस्तावित दो दिन की हड़ताल और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से बकरीद के लिए घोषित दो दिन की छुट्टियां हैं। जानिए क्यों 23 से 28 मई के बीच बंद रह सकते हैं एसबीआई बैंक- 23 मई से 28 मई के बीच बैंकों में कामकाज प्रभावित होने के अलग-अलग कारण हैं-वीकेंड की छुट्टियांः 23 मई को महीने का चौथा शनिवार है और 24 मई को रविवार है। नियम के मुताबिक, देश के सभी बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी रहती है, जिसके कारण इन दो दिनों में बैंक बंद रहेंगे। एसबीआई स्टाफ की हड़तालः- ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन ने अपनी कई मांगों को लेकर 25 और 26 मई (सोमवार और मंगलवार) को देशभर में दो दिन की हड़ताल का प्रस्ताव दिया है। इससे बैंकों के कामकाज पर सीधा असर पड़ सकता है। बकरीद की छुट्टीः- भारत के अलग-अलग राज्यों में बकरीद का त्योहार अलग-अलग दिन मनाया जाएगा, जिसके लिए आरबीआई ने दो दिन की छुट्टियां तय की हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में 27 मई को बकरीद के कारण एसबीआई बंद रहेगा, जबकि कुछ हिस्सों में 28 मई को छुट्टी रहेगी। वहीं जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 27 और 28 मई दोनों दिन बैंक बंद रहेंगे। क्यों हड़ताल पर जाना चाहते हैं एसबीआई कर्मचारी- ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन ने अपनी 16 मांगों को लिए हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, काम करने की बेहतर स्थिति तय करने और ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए बुलाई गई है। हड़ताल का असर क्या होगा? चूंकि यह हड़ताल 'वर्कमेन कैटेगरी' (क्लर्क और अन्य स्टाफ) की है, इसलिए चेक क्लियरिंग, कैश काउंटर और पासबुक अपडेट जैसे काम ठप रह सकते हैं। एसबीआई कर्मचारियों की 16 प्रमुख मांगें-मेसेंजर्स की नई भर्तीः बैंक में चतुर्थ श्रेणी (मेसेंजर्स) के खाली पदों पर तुरंत स्थाई भर्ती की जाए। सशस्त्र गार्डों की भर्तीः- बैंक की सुरक्षा और शाखाओं की जरूरतों के लिए पर्याप्त आर्म्ड गार्ड्स नियुक्त किए जाएं।एनपीएस में ऑप्शन की सुविधाः- नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत आने वाले कर्मचारियों को अपना 'पेंशन फंड मैनेजर' चुनने की आजादी मिले। इंटर सर्कल ट्रांसफर (आईसीटी):- 2019 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों को दूसरे सर्कल में ट्रांसफर का मौका दिया जाए। आउटसोर्सिंग पर रोकः स्थाई प्रकृति के कामों को बाहरी एजेंसियों को देना तुरंत बंद किया जाए। पर्याप्त स्टाफ की नियुक्तिः सभी शाखाओं में काम के बढ़ते बोझ को देखते हुए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की भर्ती हो। समानता का मुद्दाः- स्टेट बैंक में कर्मचारियों के बीच वेतन और अन्य सुविधाओं में आ रही असमानताओं को दूर किया जाए। करियर प्रोग्रेशन स्कीम की समीक्षाः कर्मचारियों के प्रमोशन और करियर ग्रोथ से जुड़ी मौजूदा नीतियों में सुधार हो। रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभः 10वें द्विपक्षीय समझौते के तहत रिटायर हुए कर्मचारियों को '8वें स्टैग्नेशन इंक्रीमेंट' का लाभ दिया जाए। कंसल्टेशन चार्जः 15 जुलाई 2024 से लागू फिजिशियन कंसल्टेशन चार्जेस की समीक्षा और उसमें सुधार। मेडिकल स्कीम में सुधारः मेडिकल रिइम्बर्समेंट स्कीम को और बेहतर और सरल बनाया जाए। पेंशन में सभी भत्ते जोड़नाः 7वें द्विपक्षीय समझौते के तहत रिटायर हुए कर्मियों की पेंशन गणना में वेतन के सभी कंपोनेंट्स को शामिल किया जाए।

प्रयागराज प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म स्थान, सड़कें खाली,बाहर निकलना मुश्किल,तापमान 46.8 पहुंचा

प्रयागराज। प्रचंड गर्मी और भीषण गर्म हवाए तेज धूप के साथ साथ हीट वेव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार सुबह से ही चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण हालात गंभीर बने हुए हैं। दिनभर पड़ रही तेज धूप से लोग बेहाल नजर आए। वही पेड़ो की कमी के चलते राहगीर लम्बे सफर में बेहाल होने को मजबूर। तेज गर्मी और उमस की वजह से लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही भी कम दिखाई दी। गर्म हवाओं और तेज धूप के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी से राहत देने के लिए प्रयागराज नगर निगम की ओर से शहर की प्रमुख सड़कों पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। नगर निगम की टीमें लगातार अलग-अलग इलाकों में पानी का छिड़काव कर रही हैं, ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके। प्रयागराज प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए हीट वेव का अलर्ट जारी करते हुए लोगों को जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। पिछले दो दिनों से शहर का अधिकतम तापमान 46डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि गुरूवार को तापमान 46.4डिग्री तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है।भीषण गर्मी का असर शहर की सड़कों पर साफ दिखाई दे रहा है। दोपहर के समय सड़कें लगभग सूनी नजर आ रही हैं। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग गमछा, टोपी और छाते का सहारा लेते दिखाई दिए। वहीं, स्कूल और कोचिंग जाने वाले छात्र भी तेज धूप से परेशान नजर आए। कई छात्र गमछा बांधकर तो कुछ किताबों से चेहरा ढंककर धूप से बचाव करते दिखे। गर्मी का असर अब जानवरों पर भी पड़ रहा है। प्रयागराज पुलिस लाइन स्थित घोड़ों के अस्तबल में गर्मी से राहत देने के लिए कूलर और पंखों की व्यवस्था की गई है। साथ ही घोड़ों को सुबह और शाम नहलाया जा रहा है। इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। शहर के कई इलाकों में रात के समय लगातार बिजली कटौती हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी तेलियरगंज, गोविंदपुर, सलोरी, कैलाशपुरी, राजापुर और म्योराबाद इलाके के लोगों को झेलनी पड़ रही है।

मिशन एवरेस्ट

55 देशों के 492 पर्वतारोही इतिहास रचने को तैयार, चीन के 109, भारत के 61 पर्वतारोही शामिल

काठमांडू। नेपाल के सोलुखुम्बु जिले (एवरेस्ट रीजन) में माउंट एवरेस्ट फतह करने का जुनून इन दिनों चरम पर है। इस सीजन कुल 55 देशों के रिकॉर्ड 492 पर्वतारोही एवरेस्ट फतह करने की कोशिश में हैं। इनमें सबसे ज्यादा चीन के 109 तो भारत के 61 पर्वतारोही शामिल हैं। इस बार रिकॉर्ड 101 महिला पर्वतारोही भी इस चुनौती का हिस्सा हैं। इस साल 17 से 21 मई के बीच पांच दिनों में बेस कैम्प से शिखर तक का सफर पूरा करना है। पर्वतारोही और शेरपा गाइडों को मिलाकर करीब 1,000 लोग चोटी की ओर बढ़ रहे हैं। चीन के तिब्बत वाले उत्तरी रूट के बंद होने से इस बार नेपाल रूट पर दबाव और बढ़ गया है।इस साल सीजन की शुरुआत में खुम्बू आइसफॉल में विशाल हिमखंड ने चढ़ाई रोकी थी, लेकिन रास्ता खुलते ही अभियान तेज हो गया। इसी भीड़ के बीच 56 वर्षीय कामी रीता शेरपा ने 32वीं बार एवरेस्ट फतह कर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं 52 वर्षीय लख्पा शेरपा ने 11वीं बार शिखर छूकर किसी महिला द्वारा सर्वाधिक एवरेस्ट चढ़ाई का रिकॉर्ड और मजबूत किया। बता दें कि नेपाल सरकार हर साल औसतन 400 से ज्यादा परमिट जारी करती है। नेपाल ने इस बार विदेशी पर्वतारोही के परमिट की फीस में 36% की बढ़ोतरी की है। इस साल करीब 9 लाख रुपए फीस है।

51 नवचयनित आंगनाबड़ी सहायिकाओं को वितरित किये गये नियुक्ति पत्र व स्मार्ट फोन

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ बच्चों और माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में निभाती है अहम भूमिका - अशोक कुमार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 20 मई को विधानसभा सलोन रायबरेली के अंतर्गत नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा विकास खण्ड सलोन के सभागार में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार द्वारा प्रतिभाग किया गया। मा0 विधायक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सलोन विधानसभा क्षेत्र की 51 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा 51 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन प्रदान किए गए। इस अवसर पर विधायक श्री कुमार ने आंगनबाड़ी कर्मचारियों के समर्पण और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ बच्चों और माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाती हैं। स्मार्टफोन वितरित करने का उद्देश्य कार्यकत्रियों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ना और उनके काम को और अधिक प्रभावी बनाना है। मा0 विधायक ने सभी उपस्थित सहायिकाओं और कार्यकत्रियों से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों को निष्ठा और ईमानदारी से निभाएं। इस पहल से न केवल आंगनबाड़ी सेवाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि बच्चों और माताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचलान एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस मौके पर पूर्व प्रमुख आजाद सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार, संजय सिंह, शशि सिंह, अंजना सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रिया, सहायिकाएं उपस्थिति रही।

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित अभिलेखागार का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेल। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित अभिलेखागार का औचक निरीक्षण कर वहां संरक्षित अभिलेखों के रख-रखाव, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित संरक्षण, डिजिटलीकरण तथा रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अभिलेखागार प्रशासनिक कार्यों की महत्वपूर्ण धरोहर हैं, जिनमें संरक्षित दस्तावेज शासन एवं प्रशासन के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। उन्होंने अभिलेखों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में अभिलेखों की उपलब्धता और उपयोग में सुविधा हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अभिलेखों के वर्गीकरण, रिकॉर्ड रूम की साफ-सफाई, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था तथा अभिलेखों के संरक्षण हेतु अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुराने एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों का विशेष संरक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार सहित संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनगणना ड्यूटी में अनियमितताओं एवं भीषण हीट वेव के विरोध में शिक्षकों ने उठाई आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनगणना 2026 के अंतर्गत मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने में व्यापक अनियमितताओं एवं भीषण हीट वेव के बीच कराए जा रहे कार्य को लेकर शिक्षक संगठन ने गहरी चिंता व्यक्त की है। इस सम्बन्ध में संगठन की ओर से जिलाधिकारी रायबरेली को ज्ञापन प्रेषित कर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने ज्ञापन में कहा है कि वर्तमान जनगणना कार्य में अनेक शिक्षकों की ड्यूटी उनके कार्यस्थल एवं निवास से अत्यन्त दूर क्षेत्रों में लगाई गई है, जिससे शिक्षकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि नगर पालिका रायबरेली के चार्ज अधिकारी द्वारा विकल्प पत्र लेने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद शिक्षकों से विकल्प नहीं लिए गए और मनमाने ढंग से दूरस्थ क्षेत्रों में ड्यूटी आवंटित कर दी गई। जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि इस समय प्रदेश भीषण हीट वेव की चपेट में है और तापमान लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। ऐसी परिस्थिति में घर-घर जाकर जनगणना कार्य करना प्रगणक शिक्षकों के स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। अध्यक्ष,जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी ने मांग की है कि जनगणना कार्य की समय सीमा कम से कम एक माह बढ़ाई जाए अथवा एक माह बाद कार्य प्रारम्भ कराया जाए। जिला कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि शिक्षक पहले से ही अनेक शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, ऐसे में भीषण गर्मी में दूरस्थ क्षेत्रों में ड्यूटी लगाना अत्यन्त अमानवीय है। उन्होंने प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेने की मांग की। जनपदीय संयुक्त मंत्री चन्द्र मणि बाजपेई ने कहा कि जिन शिक्षकों ने विकल्प पत्र देकर निकट क्षेत्र में ड्यूटी लगाने का अनुरोध किया है, उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। जिला लेखाकार गंगा चरण भारती ने कहा कि प्रशासन को शिक्षकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। संगठन ने जिलाधिकारी महोदय से मांग की है कि पीड़ित प्रगणक शिक्षकों की ड्यूटी उनके समीपस्थ क्षेत्रों में लगाई जाए तथा उपरोक्त समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष उमेश त्रिवेदी, अनुराग शुक्ला, जगतपुर अध्यक्ष संजय सिंह, डलमऊ संयोजक कीर्ति मनोहर शुक्ला, सत्येश सिंह, बछरावां अध्यक्ष अमन शुक्ला, अजय मिश्रा आदि समेत बड़ी सँख्या में शिक्षक व शिक्षिका उपस्थित रहे।

!!हर हर महादेव!! मंगलमय यात्रा शुभकामना संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि शुक्रवार को बाबा वैद्यनाथ के परम भक्तों की पावन टोली देवघर दर्शन हेतु प्रस्थान कर रही है। भोलेनाथ के इन श्रद्धालुओं की सुगम एवं आरामदायक यात्रा के लिए 'श्री राम टूर एंड ट्रेवल्स' के सौजन्य से 50 सीटर अत्याधुनिक वातानुकूलित (एसी) बस सेवा समर्पित की गई है। यात्रा के शुभारंभ के इस पुनीत अवसर पर 'श्री राम टूर एंड ट्रेवल्स' के प्रबंधक एवं प्रतिष्ठित जनसेवक श्री मनीष विश्वकर्मा जी ने सभी तीर्थयात्रियों का आत्मीय अभिनंदन किया। इस भीषण ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी ओर से भक्तों के लिए शीतल जल की बोतलें, स्वल्पाहार (बिस्कुट), अंगवस्त्र एवं सुरक्षा कवच के रूप में 'हनुमान चालीसा' भेंट कर सभी का

स्वागत किया तथा पुण्य लाभ अर्जित किया। गरमामयी उपस्थिति- इस पावन धर्म यात्रा में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति रही:- प्रशासनिक सहयोग एवं सहभागिता: पुलिस प्रशासन से श्री पद्माकर द्विवेदी जी, अपने परिवारजन एवं इष्ट मित्रों के साथ इस आध्यात्मिक यात्रा में सम्मिलित हुए हैं। आयोजक एवं सेवादार: 'श्री राम समाज सेवा दल' एवं 'श्री राम टूर एंड ट्रेवल्स' की ओर से यात्रियों की सेवा और प्रबंधन के लिए निम्नलिखित गणमान्य उपस्थित रहे:-1.श्री मनीष विश्वकर्मा जी (प्रबंधक), 2.श्री दिग्विजय सिंह जी, 2.श्री सक्षम शर्मा जी, 4.श्री कृष्ण विश्वकर्मा जी, 'बाबा वैद्यनाथ जी से प्रार्थना है कि सभी शिव भक्तों की यह यात्रा सुखद, सुरक्षित और मंगलमय हो। देवों के देव महादेव आप सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें।' जय बाबा बैद्यनाथ! हर हर महादेव।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर ने युवाओं को दिया रोजगारोन्मुखी शिक्षा का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। Naini Industrial Training Centre द्वारा युवाओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई तथा सफल प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया। संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौशर ने बताया कि केंद्र में कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, फिटर, इलेक्ट्रिशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित कई तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार प्रोजेक्ट्स जैसे ऑर्गेनिक फार्मिंग एवं पर्यावरण संरक्षण मॉडल का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संस्थान प्रबंधन के अनुसार, केंद्र में आधुनिक तकनीक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहां प्रशिक्षित अनेक छात्र-छात्राएं सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। संस्थान को विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से मान्यता प्राप्त होने की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने तकनीकी शिक्षा को अपने भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

डॉ. अम्बेडकर व जाति विशेष पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। बसपा पदाधिकारी ने अमरजीत के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया है ।भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी एवं अनुसूचित जाति को लेकर अशोभनीय, व अमर्यादित टिप्पणी करना एक युवक को भारी पड़ गई जब बहुजन समाज पार्टी के अमेठी विधानसभा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गौतम ने संग्राम पुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है । भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस -2023) की धारा 299 के अन्तर्गत पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।मामला यह है कि अमरजीत प्रजापति पुत्र राम मिलन प्रजापति निवासी ग्राम तुलापुर पो.करौंदी थाना संग्राम पुर ने भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर को अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करते हुए, उनकी डिग्रियों पर सवाल उठाया साथ ही एस सी समाज के एक खास जाति के लिए अभद्र शब्द का प्रयोग करते हुए अशोभनीय और अमर्यादित टिप्पणी करते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल किया। वीडियो सोशल मीडिया में आते ही अम्बेडकर अनुयायियों में भारी रोष उत्पन्न हुआ। वीडियो बहुजन पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गौतम तक पहुंचा उन्होंने तुरंत वीडियो को संज्ञान में लेकर अपने साथियों के साथ संग्रामपुर थाने में पहुंच एफ आई आर दर्ज कराई। बसपाइयों ने कहा कि बाबासाहेब जो हम सभी के पूज्यनीय हैं उनके खिलाफ की गई किसी भी अशोभनीय अमर्यादित टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सामुदायिक सौहार्द, भाईचारा बिगाड़ने, माहौल खराब करने वाले के खिलाफ कानून सम्मत कार्यवाई कराई जाएगी। लक्ष्मण प्रसाद के साथ में शमशेर बौद्ध विधानसभा प्रभारी, श्याम कुमार विधानसभा महासचिव, रामफल फ़ौजी विधानसभा सचिव, भीम रत्न बौद्ध ज़ोन प्रभारी, राम कुमार, अखिलेश,किसुन पाल, राम स्वरूप, मुकेश, सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जाम व अर्धनिर्मित नाली से वार्ड नंबर 25 के लोग परेशान,मच्छरों का बढ़ता जा रहा प्रकोप, जाम नाली की सफाई की उठी मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। जिले की एक मात्र नगर पालिका परिषद के नई बस्ती रोड, वार्ड नंबर 25 के लोग इन दिनों नाली जाम की समस्या से बेहद परेशान हैं। नगर पालिका परिषद के विकास और स्वच्छता के बड़े-बड़े दावों के बीच इस प्रमुख मार्ग की एक साइड की पूरी नाली पिछले कई महीनों से पूरी तरह से जाम पड़ी है, जिसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। हैरानी की बात यह है कि करीब दो महीने पहले नगर पालिका द्वारा सड़क की दूसरी पटरी की नालियों का निर्माण कार्य कराया गया था। लेकिन गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण, उस निर्माण कार्य से निकला कुछ मलबा और सिल्ट दूसरी पटरी के एक खाली स्थान पर लाकर डंप कर दिया गया। देखते ही देखते वह भारी-भरकम मलबा सड़क किनारे की चालू नाली में धंस गया, जिससे पूरी की पूरी नाली ही पूरी तरह चोक हो गई। इसके अलावा, इस पटरी पर आधी नाली का निर्माण करके उसे अधर में ही छोड़ दिया गया है, जो नगर पालिका की घोर लापरवाही को साफ तौर पर उजागर करता है। इस समय स्थिति यह है कि खुली और जाम पड़ी नालियों का बदबूदार, गंदा पानी अब ओवरफ्लो होकर पटरी पर बह रहा है। भीषण गर्मी के इस मौसम में इस सड़ते पानी के कारण पूरे इलाके में असहनीय बदबू फैली हुई है, जिससे राहगीरों का वहां से गुजरना दुश्वार हो गया है।

स्थानीय निवासियों का घरों में रहना भी दूभर हो चुका है। गंदे पानी के ठहराव की वजह से क्षेत्र में मच्छरों का भयंकर प्रकोप बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों और महामारी फैलने का खतरा लगातार मंडरा रहा है। स्थानीय सजग नागरिकों ने इस समस्या को लेकर अपने वार्ड मेंबर से कई बार गुहार लगाई, लेकिन जनप्रतिनिधि से लेकर नगर पालिका तक पूरी तरह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। महीनों बीत जाने के बाद भी न तो इन जाम नालियों की सफाई के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया और न ही अधूरे निर्माण कार्य को पूरा करने की जहमत उठाई गई। नगर पालिका प्रशासन की इस घोर उपेक्षा से मोहल्लेवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नई बस्ती रोड के निवासी श्याम शंकर, विजय, दीपक, शिव शंकर और हर्ष सहित तमाम नागरिकों ने नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष से पुरजोर मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस गंभीर समस्या का तत्काल संज्ञान लिया जाए, जाम नाली की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए और अधूरी छोड़ी गई नाली का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराकर उन्हें इस नरकीय स्थिति से मुक्ति दिलाई जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो आगामी बरसात के मौसम में यह समस्या और भी ज्यादा भयावह रूप अख्तियार कर लेगी।

नैनी लेप्रोसी चौराहे पर भीषण सड़क हादसा दो बेटों की मौत वहीं 6 लोग घायल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे पर शुक्रवार को तेज रफ्तार दो बड़े वाहनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 से 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से काफी देर बाद पहुंची एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भेजा गया, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद एंबुलेंस और राहत टीम देर से पहुंची, जिससे घायल काफी देर तक तड़पते रहे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घायलों की पहचान और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस की ओर से मृतक और घायलों के संबंध में आधिकारिक विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है।

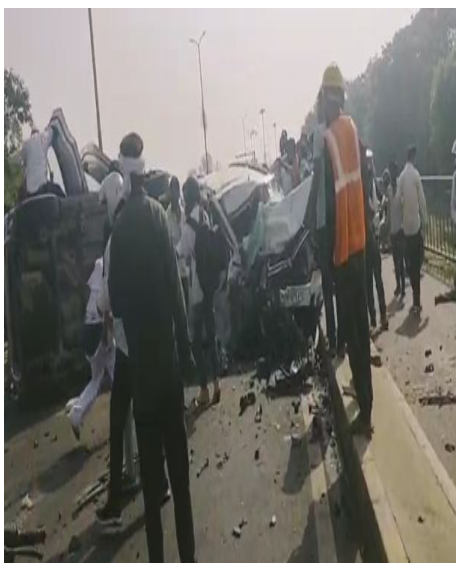

बार के आश्वासन पर वकीलों ने किया धरना खत्म

प्रयागराज। डॉक्टरों और वकीलों के बीच चल रहा तीन दिवसीय विवाद फिलहाल थम गया है। बार एसोसिएशन की पहल और अध्यक्ष राकेश पांडे के आश्वासन के बाद वकीलों ने अपना धरना और अनशन समाप्त कर दिया। हालांकि, बार पदाधिकारियों और पीड़ित पक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन फिर से शुरू किया जाएगा। यह निर्णय जनहित और आम जनता को हो रही परेशानियों को देखते हुए लिया गया है। पिछले तीन दिनों से जारी इस विवाद के कारण शहर में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इसका असर अस्पतालों से लेकर न्यायिक कार्यों तक पर पड़ा, जिससे आम लोगों को भी जाम और अफरा-तफरी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। धरना स्थल पर संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडे ने कहा कि वकीलों की मंशा कभी जनता को परेशान करने की नहीं रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बार एसोसिएशन इस पूरे मामले की जिम्मेदारी ले रहा है और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी।

रायबरेली में जनगणना 2027 के तहत घर-घर पहुंचकर शुरू हुई मकानों की गणना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया है कि भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में आज से जनपद रायबरेली में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत नियुक्त प्रगणक एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर मकानों का सर्वेक्षण करते हुए सूचीकरण और गणना का कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस कार्य को गंभीरता एवं शत-प्रतिशत सफलता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी मकान गणना से वंचित न रह जाए। जिला प्रशासन के अनुसार, जनगणना देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, आवासीय स्थिति, संसाधनों और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े संकलित किए जाते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग भविष्य की योजनाओं, सरकारी नीतियों तथा जनहितकारी कार्यक्रमों के निर्माण में किया जाता है। ऐसे में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनपद में नियुक्त प्रगणक और सुपरवाइजरों ने आज से अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों का सत्यापन, सूचीकरण एवं गणना का कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस दौरान टीम द्वारा प्रत्येक मकान की स्थिति, उपयोग, संरचना सहित निर्धारित प्रारूप के अनुसार आवश्यक विवरण संकलित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण के दौरान कोई भी मकान छूटने न पाए तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हो। जिला प्रशासन ने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से विशेष अपील करते हुए कहा है कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप को ध्यान में रखते हुए वे अपने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें। प्रशासन ने निर्देशित किया है कि सभी कर्मचारी अपने साथ पेयजल, ओआरएस का पैकेट, गमछा अथवा सिर ढंकने के आवश्यक साधन अनिवार्य रूप से रखें, जिससे लू एवं गर्मी से बचाव किया जा सके और कार्य प्रभावित न हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जब प्रगणक अथवा सुपरवाइजर उनके घर पहुंचें तो नागरिक उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं और सर्वेक्षण कार्य में पूरा सहयोग दें।

कला कल्प ने मनाया विश्व सांस्कृतिक विविधता दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद कला कल्प सांस्कृतिक संस्थान द्वारा जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस में 21 मई को 'संवाद और विकास के लिए विश्व सांस्कृतिक विविधता दिवस के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक शाम का आयोजन किया। जिसमें शिक्षा, कला और राष्ट्रीय विरासत का संगम देखने का मिला। कार्यक्रम में सैन्य, शैक्षणिक और सांस्कृतिक जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य और विरासत के संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। शुरुआत मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अरविंद महाजन, डॉ के.जी. सुरेश (निदेशक, इंडिया हैबिटेट सेंटर), डॉ. तपन कुमार नायक (निदेशक, जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस), डॉ. रमेश चंद्र गौर (डीन, आईजीएनसीए -संगीतकार उस्ताद कमाल साबरी और वेरल लोकसाहित्य अकादमी (संस्कृति मंत्रालय, केरल) के श्री पी.वी. लवलीन द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कलाकारों का डिजिटल भविष्य मुख्य भाषण देते हुए, कला कल्प सांस्कृतिक संस्थान की संस्थापक निदेशक डॉ. अतसी मिश्रा ने वैश्वीकरण के इस दौर में भारतीय विरासत के अस्तित्व पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। डॉ. मिश्रा ने तर्क दिया कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए तकनीक अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि कलाकारों की आर्थिक उत्तरजीविता के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है।हमें तकनीकी प्रगति को कलाकारों के व्यावसायीकरण से जोड़ना होगा, डॉ. मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने के लिए कलाकारों का आर्थिक उत्थान बेहद जरूरी है। इसके बाद, कला कल्प के उपाध्यक्ष और आरएसएस स्वयंसेवक मोहित माधव ने 'कल्चर मैटर्स' (संस्कृति मायने रखती है) विषय पर अपने संबोधन में जमीनी स्तर पर सांस्कृतिक संरक्षण की बात की। उन्होंने रेखांकित किया कि सांस्कृतिक पहचान ही किसी देश के वास्तविक स्वरूप को परिभाषित करती है।माधव ने आग्रह किया,हमारे संस्कार घर से ही सिखाए जाने चाहिए। यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं को देश के इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करें और इन परंपराओं को आने वाली पीढ़ी को सौंपे।इसके बाद हुए पैनल डिस्कशन (परिचर्चा) में कला क्षेत्र के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ही रास्तों पर चर्चा की गई। डॉ. के.जी. सुरेश ने 'सांस्कृतिक स्वतंत्रता' पर विस्तार से बात की। उन्होंने कलाकारों से बहुमुखी (Versatile) बनने और लगातार नई सामग्री बनाने का आह्वान किया, ताकि कला उद्योग में लोगों की रुचि बनी रहे।उस्ताद कमाल साबरी ने अंतरराष्ट्रीय संवाद पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कला का वैश्विक प्रसार जरूरी है, लेकिन एक कलाकार की पूर्णता आज भी उनके कड़े दैनिक अभ्यास (रियाज़) पर ही टिकी है। पी.वी. लवलीन ने केरल के संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य किस प्रकार जनजातीय और लोक परंपराओं के जीर्णोद्धार और दस्तावेजीकरण पर काम कर रहा है।डॉ. रमेश चंद्र गौर और डॉ. तपन नायक ने पूरी परिचर्चा को एक अकादमिक और सैद्धांतिक मजबूती प्रदान की। ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद की शुरुआत और प्रमाणनइस वैचारिक संवाद के अलावा, यह शाम आयोजक संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने आधिकारिक तौर पर 'कला कल्प रिसर्च काउंसिल' (अनुसंधान परिषद) का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य प्रदर्शन कला के क्षेत्र में संरचित शैक्षणिक अध्ययन को बढ़ावा देना है।इसी के साथ, कला कल्प ने प्रदर्शन कला शिक्षा फाउंडेशन के रूप में अपने उत्कृष्ट दस्तावेजीकरण और उच्च मानकों के लिए आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने की भी घोषणा की।शाम के इस बौद्धिक विमर्श को अंत में एक बेहद खूबसूरत सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ विराम दिया गया। शास्त्रीय नृत्यांगना दीपशिखा और आयुषी ने क्रमशः ओडिसी और कत्थक नृत्य की ऐसी शानदार प्रस्तुतियां दीं कि पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो गया।

खौफ में अमदरा पुलिस! ढाबों में पकड़ा गया डीजल अब अमदरा थाना परिसर में खुले में रखा!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जिले के अमदरा थाना क्षेत्र में पिछले दिनों कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त कार्रवाई के दौरान ढाबों से बड़ी मात्रा में अवैध डीजल-पेट्रोल जब्त किया गया था। कार्रवाई के दौरान करीब हजार लीटर ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ बरामद किया गया, जिसे फिलहाल अमदरा थाना परिसर में खुले स्थान पर ड्रमों में रखा गया है। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच खुले में रखे इन ज्वलनशील पदार्थों को लेकर अब खुद अमदरा पुलिस भी सतर्क और खौफ में नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षित व्यवस्था नहीं की गई, तो बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल थाना परिसर में रखे ड्रम चर्चा का विषय बने हुए हैं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

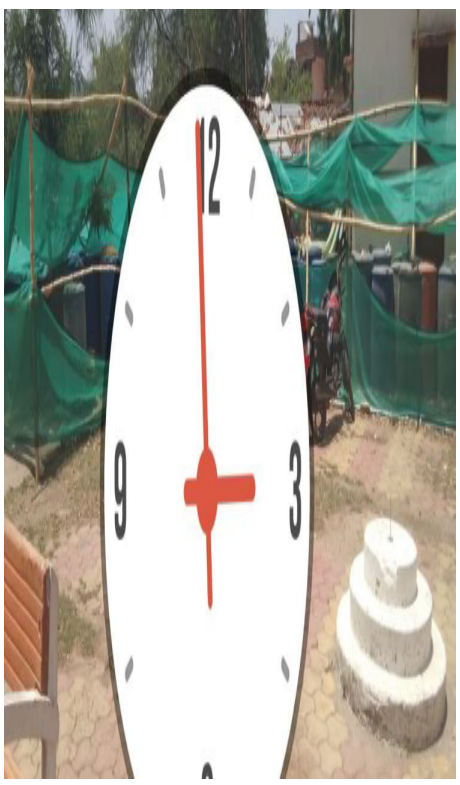

स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण का कार्य तत्काल करा लें, अन्यथा की जाएगी कठोर कार्रवाईः-आर0टी0ओ0

विशेष अभियान चलाकर फिटनेस एवं परमिट समाप्त स्कूली वाहनों के विरूद्ध प्रभावी एवं कठोर प्रवर्तन कार्यवाही की जाए-संजय कुमार तिवारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। संभागीय परिवहन अधिकारी लखनऊ संभाग संजय कुमार तिवारी ने बताया है कि लखनऊ संभाग में पड़ने वाले जनपद-लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई एवं लखीमपुर के समस्त ऐसे स्कूली वाहन स्वामियों से अपील की जाती है कि जिनके स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट की वैधता समाप्त हो चुकी है किन्तु अभी तक नवीनीकरण नहीं कराया गया है, वे अपने स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण का कार्य तत्काल करा लें, अन्यथा मोटर वाहन अधिनियम में दी गई व्यवस्थानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त समस्त प्रधानाचार्या/विद्यालयों संचालकों से भी इस संबंध में अपील की जाती है कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये अपने-अपने विद्यालयों/स्कूलों में स्कूली वाहनों के रूप में संचालित ऐसे स्कूली वाहनें जिनकी फिटनेस एवं परमिट वैधता समाप्त हो चुकी है, उनका संचालन कदापि न होने दें एवं ऐसे वाहन स्वामियों को उन्हें अपनी स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं परमिट नवीनीकरण कराये जाने हेतु निर्देशित किया जाए। जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना एवं असुविधा से बचा जा सकें। लखनऊ संभाग के समस्त प्रवर्तन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी दशा में फिटनेस एवं परमिट समाप्त स्कूली वाहनों का संचालन जनपद में न होने पायें। फिटनेस एवं परमिट समाप्त स्कूली वाहनों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रभावी एवं कठोर प्रवर्तन कार्यवाही की जाए। सड़क सुरक्षा एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

डीएम ने निर्माणाधीन मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण

निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति व गुणवत्ता का लिया जायजा,निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए कार्य-डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लेने हेतु निर्माणाधीन मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय बेला भेला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों एवं समयबद्ध प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालय भवन का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा कार्य की प्रगति से तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा परियोजना में कार्य कर रहे श्रमिकों व उनके बच्चों से वार्ता की गई तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्य कर रहे श्रमिकों का श्रम विभाग में पंजीकरण कराया जाए जिससे श्रमिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके साथ ही श्रमिकों के बच्चों का निकट के बेसिक शिक्षा विभाग के संचालित स्कूल में नामांकन कराने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय राही पहुंचकर निर्माणाधीन हॉस्टल एवं एकेडमिक ब्लॉक का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में संचालित परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विवेक शर्मा को राष्ट्रीय नाई महासभा का प्रांतीय सचिव बनाये जाने पर खुशी का इजहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। राष्ट्रीय नाई महासभा शाखा जनपद अमेठी के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे विवेक शर्मा को महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष राजमणि शर्मा ने अपनी प्रांतीय कमेटी में स्थान देते हुए प्रांतीय सचिव पद पर मनोनीत किया है। राष्ट्रीय नाई महासभा उ0 प्र0 में सचिव पद की जिम्मेदारी मिलने पर जनपद अमेठी के कई लोगों ने हर्ष का इजहार किया हैं। इस नियुक्ति पर खुशी जाहिर करने वाले प्रमुख लोगों में महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा (तेजी का पुरवा) जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा उर्फ पिंटू शर्मा, जिला महामंत्री सजनलाल शर्मा,धर्मपाल शर्मा संरक्षक, कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, गौरीगंज अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा संतोष कुमार शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा लक्ष्मी शर्मा दीपक कुमार शर्मा नंदवंशी सरकार द्वारा मनोनीत सभासद नगरपालिका परिषद गौरीगंज, दिलीप कुमार शर्मा कोटेदार रौजा फूलचंन्द्र शर्मा मनीष शर्मा सौरभ शर्मा रफीक सलमानी धर्मराज सेन हरिहर शर्मा रंतिदेव शर्मा व के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि हैं। इन लोगों ने विवेक शर्मा से अपेक्षा व्यक्त की है कि प्रांतीय सचिव बनाये जाने पर वे समाज के लिए पूर्व की भांति सक्रियता बनाये रखेंगे।

घर से भटकी नन्ही दीक्षा को मिला मां का आंचल, चाइल्ड हेल्पलाइन ने मिलाया परिवार से

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/रॉबर्ट्सगंज। 21 मई 2026: ननिहाल में खेलते-खेलते 2 साल की मासूम दीक्षा अचानक लापता हो गई तो मां दीपा का कलेजा मुंह को आ गया। दलित बस्ती, रॉबर्ट्सगंज में अफरा-तफरी मच गई। मगर कहानी का अंत सुखद रहा। थाने से प्राप्त सूचना पर परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम सोनभद्र ने तत्परता दिखाते हुए 2 वर्षीय दीक्षा को संरक्षण में लिया। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से सुपरवाइजर सुधा गिरी एवं काउंसलर अमन सोनकर मौके पर मौजूद रहे। दीक्षा मूल रूप से ग्राम तुल्लापुर, थाना मेजा, जिला प्रयागराज की रहने वाली है। उसके पिता का नाम शिवम और माता का नाम दीपा हैं। मां दीपा इन दिनों अपने ननिहाल आई थी, तभी यह हादसा हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने भी तुरंत संज्ञान लिया। उनके मार्गदर्शन में परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह सुपरवाइजर सुधा गिरी व काउंसलर अमन सोनकर ने बच्ची से मित्रवत बातचीत कर परिजनों का पता लगाना शुरू किया। कुछ ही घंटों की मेहनत रंग लाई। माता-पिता से संपर्क कर कागजी औपचारिकता पूरी की गई। जब दीक्षा अपनी मां की गोद में पहुंची तो वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने कहा, 'बच्चों की सुरक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। थोड़ी सी सतर्कता से हम किसी का घर उजड़ने से बचा सकते हैं।' परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि टीम 7ओ दिन 24 घंटे बच्चों की मदद के लिए तत्पर है। चाइल्ड हेल्पलाइन ने अपील की है कि कोई भी बच्चा लावारिस या भटका मिले तो तुरंत 1098 पर कॉल करें। आपकी एक कॉल किसी मां की सूनी गोद भर सकती है।

पुष्पेंद्र शुक्ला बोले- दो महीने से मानदेय नहीं मिला, बच्चों के एडमिशन और किश्तें रुकीं

एनएचएम कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार शुरू, मरीजों को हुई खासी परेशानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश आह्वान पर पूरे उत्तर प्रदेश में एनएचएम कर्मचारियों के दो महीने से रुके मानदेय को लेकर पिछले कुछ दिनों से काला फीता बांधकर चल रही हड़ताल ने गुरुवार को कार्य बहिष्कार का रूप ले लिया। जनपद सोनभद्र में जिला अस्पताल सहित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सभी एनएचएम कर्मचारियों ने सुबह से ही दरी बिछाकर शांतिपूर्वक कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। कार्य बहिष्कार के कारण दूर-दराज से आए मरीजों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। कई मरीजों को इलाज के बिना ही निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर ओपीडी, टीकाकरण, जांच और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि 2 महीने से मानदेय न मिलने की वजह से कर्मचारियों के बच्चों के एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। कमरों का किराया नहीं दिया जा रहा और जिन्होंने लोन पर मकान बनाए हैं उनकी किश्तें टूट गई हैं। साथ ही किराना और दूध वालों ने उधार देना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन्हीं समस्याओं से आक्रोशित होकर कर्मचारियों ने 'दाम नहीं तो काम नहीं' की तर्ज पर आज 21 तारीख से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। जब तक सैलरी खातों में नहीं आती तब तक बहिष्कार जारी रहेगा। इससे आने वाले दिनों में भी मरीजों को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कार्य बहिष्कार में अखिलेश, दिनेश, अवनीश, श्वेता, मंजुलता, पुनीता, अंजू, मीना, नेहा, शिमला, प्रमिला, सीता, गुड्डी, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. सौरभ सिंह, मीना पाल, नेहा वर्मा, सूर्यदेव, पंकज सहित समस्त एनएचएम कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

संजीव कुमार श्रीवास्तव बोले- दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

सीएसआर रेनुसागर द्वारा गरबन्धा में विशेष निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित, 115 लाभार्थियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा/सोनभद्र। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आर.पी. सिंह के मार्गदर्शन एवं हेड एचआर आशीष पांडेय के निर्देशन में ग्रामीण विकास विभाग, रेनुसागर द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय गरबन्धा में विशेष निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर निःशुल्क पंजीकरण कराते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। नगर पंचायत अनपरा के कृष्णानगर गरबन्धा सभासद प्रतिनिधि महाबीर बैसवार ने चिकित्सा शिविर में पहुंचकर रेनुसागर द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। चिकित्सा शिविर में रेनुसागर चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। फिजीशियन डॉ. मनोज कुमार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम सुंदर एवं दंत चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार सिंह द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों से संबंधित समस्याओं के आधार पर मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी प्रदान किया। शिविर में कुल 115 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं दंत चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार सिंह द्वारा 66 बच्चों का दंत परीक्षण कर उन्हें टूथपेस्ट एवं ब्रश वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित मरीजों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत करते हुए विशेष चिकित्सा शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर द्वारा सीएसआर के तहत दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर ऐसे चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी राजनाथ यादव, शिवम पाठक, किशोर कुमार, रमेश गुप्ता, आशा तिवारी एवं रेखा का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

अवैध खनिज परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रशासन सख्त,लोढ़ी टोल प्लाजा क्षेत्र में 24 घंटे निगरानी हेतु विशेष टास्क फोर्स गठित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ज्येष्ठ खान अधिकारी श्री कमल कश्यप ने गुरूवार को अवगत कराया है कि जनपद में अवैध खनिज परिवहन, ओवरलोडिंग एवं बिना मानक संचालन के चल रहे वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से कड़ा रुख अपनाया गया है। इसी क्रम में लोढ़ी टोल प्लाजा के आसपास अवैध परिवहन एवं ओवरलोड वाहनों की सतत निगरानी हेतु विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जारी आदेश के अनुसार लोढ़ी टोल प्लाजा क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर खनिजों के अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग तथा बिना मानक संचालन वाले वाहनों की सघन जांच की जायेगी। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। व्यवस्था को प्रभावी एवं निरंतर बनाये रखने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगायी गयी है। तीन अलग-अलग शिफ्टों में तैनात टीम मौके पर निगरानी करते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। प्रथम पाली प्रातः 8:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक, द्वितीय पाली सायं 4:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक तथा तृतीय पाली रात्रि 12:00 बजे से प्रातः 8:00 बजे तक निर्धारित की गयी है। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, ब्लैक स्पॉटों पर लगेंगी कैट आई व बढ़ेगी निगरानी,स्कूलों में सचालित होने वाले बसों का ए0आर0टी0ओ0 द्वारा नियमित रूप से किया जाये निरीक्षण-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी एवं टोल प्लाजा प्रबंधन को निर्देशित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश है कि जनपद में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन किया जाये और होने वाली दुर्घटनाओं का रोक लगाने हेतु जन जागरूकता की जाये और यातायात के नियमों से जन मानस को अवगत कराया जाये उन्होने कहा कि जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर शीघ्र कैटआई साइनेज बोर्ड लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा एक सप्ताह के भीतर इसकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) को निर्देशित किया कि प्रत्येक दिन विद्यालयों में संचालित 10 स्कूलो के बसों का निरीक्षण कर उनकी फिटनेस, सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टोल प्लाजाओं पर एंबुलेंस एवं हाइड्रा वाहन हर समय उपलब्ध रहें तथा उनकी जीपीएस लोकेशन भी दर्ज की जाए, जिससे आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही टोल प्लाजा परिसर में बने सुलभ शौचालय, भवनों की साफ-सफाई, वॉल पेंटिंग एवं जनजागरूकता हेतु लाउडस्पीकर लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के समाधान हेतु एआरटीओ, पुलिस विभाग एवं ए0आर0एम रोडवेज की संयुक्त टीम नियमित निरीक्षण करे। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए ताकि आमजन को जाम की समस्या से राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप ओवरलोड एवं अवैध परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाए तथा सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग श्री शैलेष ठाकुर, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड श्री एस0के0सिंह, ए0आर0टी0ओ0 श्री राजेश्वर यादव सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जल जीवन मिशन में फर्जी पूर्णता प्रमाण पत्रों पर जिलाधिकारी ने जतायी नराजगी,कागजों में जलापूर्ति दिखाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मिल रही शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में लापरवाही, फर्जी रिपोर्टिंग एवं कागजी प्रगति किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी ने मीडिया में प्रकाशित खबर का संज्ञान मे लेते हुए कहा कि 14 ग्रामों नेमना, झीलो, सीरसोती, करमघट्टी, पिपरहार, डुमरहर, जिगन्हवा, लीलाडेवा, अरझट, जरहा, रजमिलान, महुली, बीजपुर एवं डोडहर में ग्राम प्रधानों द्वारा दिये गये पूर्णता प्रमाण पत्र (हर घर जल प्रमाण पत्र) की विस्तृत एवं निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिशासी अभियन्ता, 30प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को जांच रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत की जाये तथा फर्जी प्रमाण पत्र, बिना जलापूर्ति पूर्णता दर्शाने अथवा योजनाओं में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रधान, कार्यदायी संस्था एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जिन गांवों में धरातल पर पानी नहीं पहुंचा है, वहां कागजों में योजना पूर्ण दिखाना जनता के साथ सीधा छल है और ऐसे मामलों में जवाबदेही तय कर दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जायेगा। बैठक में योजनाओं के पम्प हाउसों पर विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं लो-वोल्टेज, बार-बार विद्युत बाधित होना एवं अनियमित सप्लाई पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। अधिशासी अभियन्ता, 30प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक प्रभावित पम्प हाउस का साप्ताहिक साक्ष्य सहित विवरण प्रस्तुत करें, जिससे विद्युत विभाग एवं उच्चाधिकारियों के स्तर पर तत्काल समाधान सुनिश्चित कराया जा सके। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत वर्तमान में नियमित जलापूर्ति दर्शाये जा रहे 464 ग्रामों की स्थलीय जांच कर वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि केवल पोर्टल पर प्रगति दर्शाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक घर तक नियमित एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होना अनिवार्य है। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीमती नमिता शरण, अधिशासी अभियन्ता 30प्र0 जल निगम (ग्रामीण) श्री अनील कुमार, डी0पी0ए0म0 टी0पी0आई0 श्री राणा प्रताप सिंह, पी0ए0म0सी0 हेड श्री हिमांशु ज्ञनउंत सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर किया गया निरीक्षण,वाहनों/उपकरणों की सघन चेकिंग व दिशा निर्देश

क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, स्टोर, पुलिस रेडियो मेल/रेडियो केन्द्र, साइफर केन्द्र एवं पुलिस लाइन परिसर का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट एवं अनुशासित बनाए रखने हेतु दौड़ एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई। इस दौरान यू0पी0-112 एवं विभिन्न थानों से आये वाहनों की सघन चेकिंग करते हुए दंगा नियंत्रण उपकरण, वायरलेस सेट, प्राथमिक उपचार किट एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की कार्यशीलता परखी गयी तथा वाहन चालकों एवं पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, स्टोर, पुलिस रेडियो मेल/रेडियो केन्द्र, साइफर केन्द्र, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही मेस में भोजन की गुणवत्ता की जांच एवं पुलिस कर्मियों के शस्त्र तथा बीट बुक का निरीक्षण भी किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा एसओजी सोनभद्र में नियुक्त आरक्षी अजीत यादव को उनके सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि आरक्षी अजीत यादव द्वारा दिनांक 22.05.2026 को अपनी त्वरित सूझबूझ एवं तत्परता का परिचय देते हुए कुल 52.2 कि0ग्रा0 अवैध गांजा बरामद कर अपराध एवं मादक पदार्थ तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया गया था। उक्त उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। परेड के दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन डॉ0 चारू द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय, प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

थाना शक्तिनगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता,चोरी की लगभग 40 कुन्तल लोहे की सरिया (रु2.40 लाख) से लदा पिकअप वाहन बरामद, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के नियंत्रण एवं चोरी के अनावरण हेतु चलाये जा रहे अभियान तथा जनपद में कबाड़ चोरी एवं अवैध कबाड़ी गतिविधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा दिनांक 22.05.2026 को प्रभावी कार्यवाही करते हुए चोरी की लोहे की सरिया से लदे एक पिकअप वाहन को बरामद कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया व एक अन्य कबाड़ी वांछित। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए पिकअप वाहन संख्या ऊइ 67 ऊ 9712 को रोककर चेक किया गया। वाहन में लगभग 40 कुन्तल लोहे की सरिया बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग रु2,40,000/- है। पूछताछ एवं जांच के दौरान उक्त सरिया चोरी की होना प्रकाश में आया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 1. शिराज उर्फ सिराज पुत्र हकीम निवासी खड़िया थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 2. पियूष कुमार पुत्र अशोक ठाकुर निवासी खड़िया थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। उक्त अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0 101/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस तथा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदगी का विवरण- पिकअप वाहन संख्या यूपी67टी9712 लगभग 40 कुन्तल लोहे की सरिया (कीमती लगभग रु2,40,000/-) गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 01. प्र0नि0 सत्येन्द्र कुमार राय, थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 02. उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी चौकी बीना थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 03. का0 सत्यम सरोज, चौकी बीना थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 04. का0 विजय प्रताप, चौकी बीना थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र।

थाना कोन पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए 04 अंतर्राज्यीय गौतस्करों को किया गया गिरफ्तार

क्रूरता पूर्वक ले जाए जा रहे 15 गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

दिनांक 21.05.2026 को समय लगभग 21:00 बजे थाना कोन पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम ससनई में कार्रवाई करते हुए 15 गोवंशों को क्रूरता पूर्वक पैदल हांककर ले जा रहे 04 अंतर्राज्यीय गौतस्करों को गिरफ्तार किया गया।

बरामद गोवंशों में 09 बैल, 03 गाय, 02 बछिया एवं 01 बछड़ा शामिल हैं।उक्त प्रकरण के संबंध में थाना कोन पर मु0अ0सं0-99/2026 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

बरामद गोवंशों को नियमानुसार सुपुर्दगी में देते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 1. बबलू चौधरी पुत्र विष्णु चौधरी निवासी हासनदाग थाना मेराल जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 40 वर्ष। 2. रामलाल चौधरी पुत्र कामेश्वर चौधरी निवासी हरादाग कला थाना रमना जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 40 वर्ष। 3. विष्णु चौधरी पुत्र भंगी चौधरी निवासी हासनदाग थाना मेराल जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 58 वर्ष।

4. धुरमल चौधरी पुत्र स्व0 सहदेव चौधरी निवासी हरादाग कला थाना रमना जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 51 वर्ष।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 श्री संजीव कुमार सिंह, थाना कोन जनपद सोनभद्र।

2. उ0नि0 शिवप्रकाश यादव, चौकी चकरिया थाना कोन जनपद सोनभद्र।

3. उ0नि0 वृजनाथ यादव, चौकी प्रभारी चननी थाना कोन जनपद सोनभद्र।

4. उ0नि0 वीरेन्द्र राय, चौकी प्रभारी पोखरिया थाना कोन जनपद सोनभद्र।

5. हे0का0 राजेश यादव, थाना कोन जनपद सोनभद्र।

6. हे0का0 विपिन जायसवाल, थाना कोन जनपद सोनभद्र।

7. का0 सूरज कुमार, चौकी चकरिया थाना कोन जनपद सोनभद्र।

8. का0 राजेश कुमार, चौकी रानीडीह थाना कोन जनपद सोनभद्र।

विराट कोहली से मुलाकात के बाद बदली हमशक्ल चीकू की जिंदगी,3 कंपनियों के एड किए, मॉडलिंग के भी ऑफर

पंचकूला। स्टार इंडियन क्रिकेटर विराट कोहली से मिलने के बाद हरियाणा के पंचकूला निवासी गर्वित उत्तम की जिंदगी में पूरी तरह से बदल गई है।

अब उसे सेलिब्रिटी के तौर तवज्जो मिलने लगी है। उसे सब जूनियर चीकू यानि जूनियर विराट कोहली ही कहकर बुलाते है। इन सबके बावजूद, ग्राउंड पर गर्वित का व्यवहार वैसा ही है, उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। पचंकूला की सीएल चैंप क्रिकेट एकेडमी में प्रैक्टिस करने वाले गर्वित अब तक 3 बड़ी कंपनियों के ऐड को शूट कर चुके हैं। इससे परिवार को लाखों में रकम भी मिली है। गर्वित ने अभी मिल्क पाउडर, गद्दे की कंपनी और एक अन्य उत्पाद के लिए शूटिंग की है। वह कुछ लोकल कंपनियों के भी ओपनिंग कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। सबसे खास यह कि विराट कोहली के साथ फिर से एक अन्य कंपनी का विज्ञापन शूट करने के लिए ऑफर आया है। इसके लिए गर्वित को साइन किया जा चुका है। विराट कोहली ने इस शूट के लिए अभी समय नहीं दिया है, जिसके कारण प्रोजेक्ट कुछ समय के लिए रूका हुआ है। विज्ञापन की शूटिंग के लिए गर्वित को मुंबई बुलाया गया है। गर्वित उत्तम ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि विराट कोहली ने करीब एक घंटे तक उस मुलाकात के दौरान बातचीत की थी। उसे कहा था कि यार तूने तो बचपन की यादें ताजा करवा दी। वहीं रोहित शर्मा व दूसरे खिलाड़ियों ने गर्वित को देखकर कहा था कि अब तो जूनियर चीकू भी तैयार हो गया है। गर्वित उत्तम के अनुसार अब तो उसे दोस्त भी उसको जूनियर चीकू बुलाने लगे हैं। मैदान पर अब उसके खुद के नाम से कोई नहीं बुलाता। उसे इस बात की खुशी भी होती है लेकिन उसका अपने गेम पर पूरा फोकस है। पंचकूला के गर्वित उत्तम का परिवार मोहाली स्टेडियम में आईपीएल मैच देखने के लिए गया तो वहां पर क्रिकेट प्रंशसकों ने उसे देखते हुए चीकू कहकर बुलाना शुरू कर दिया। पंजाब किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स के बीच यह मुकाबला 28 अप्रैल 2026 को हुआ था। जिसमें काफी लोगों ने इनके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। जो इंस्टाग्राम पर खूब वायरल हुए। ऐसे हुई थी विराट के हमशक्ल की खोज-विज्ञापन के लिए तलाश रहे थे बच्चा : देश की एक विज्ञापन कंपनी ने एड बनाने के लिए स्टार क्रिकेटर विराट कोहली के बचपन का हमशक्ल ढूंढने का अभियान चलाया। इसमें हरियाणा में पंचकूला के रहने वाले गर्वित उत्तम परफेक्ट मैच निकले। गर्वित को परिवार सहित गुजरात के वड़ोदरा बुलाया गया और विराट कोहली से मिलवाया गया।अपोलो टायर के लिए शूट हुआ था विज्ञापनः विराट कोहली खुद अपने नन्हे हमशक्ल को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने बच्चे के बैट पर ऑटोग्राफ भी दिया। विराट के साथ गर्वित उत्तम की इस मुलाकात का वीडियो सामने आया है। कंपनी ने अपोलो टॉयर के लिए गर्वित का चयन किया था, जो टी-20 टूर्नामेंट के दौरान दिखाया गया। 4 पॉइंट्स में जानिए गर्वित की कहानीः-पिता हिमाचल की फार्मा कंपनी में एग्जीक्यूटिवः हरियाणा में पंचकूला के सेक्टर-11 में रहने वाले गर्वित उत्तम का परिवार मूल रूप से कुरुक्षेत्र का रहने वाला है। करीब 10 साल पहले परिवार पंचकूला में शिफ्ट हो गया था। गर्वित के पिता सुरेंद्र सिंह हिमाचल के बद्दी की फार्मा कंपनी में बतौर सीनियर एग्जीक्यूटिव जॉब करते हैं। पंचकूला में बैटिंग प्रैक्टिस करते हैं गर्वितः 8 साल के गर्वित उत्तम पंचकूला शहर के सेक्टर-11 की सीएल चैंप क्रिकेट एकेडमी में नियमित रूप से क्रिकेट की प्रैक्टिस करने आते हैं। कोच संजय शर्मा गर्वित को 2 साल से और उनके बड़े भाई मयंक उत्तम को 5 साल से क्रिकेट की बारीकियां सिखा रहे हैं। गर्वित तीसरी कक्षा के छात्र हैं। कोच संजय शर्मा के पास आया फोनः कोच संजय शर्मा के पास कॉल आया था कि विराट कोहली जैसा दिखने वाला बच्चा एड के लिए चाहिए। कोच संजय शर्मा अक्सर कहते थे कि गर्वित तो बिल्कुल विराट कोहली जैसा दिखता है। उन्होंने गर्वित का फोटो भेजा तो तुरंत कंपनी की ओर से ओके आ गया। वडोदरा में कोहली से गर्वित की मुलाकातः इसके बाद विराट कोहली से मुलाकात के लिए गर्वित को वड़ोदरा बुलाया गया था। गर्वित अपने पिता के साथ वहां पहुंचे। गर्वित की मुलाकात हुई तो कोहली उन्हें देखकर बड़े खुश नजर आए। कोहली ने बच्चे के बैट पर ऑटोग्राफ भी दिया। गर्वित के साथ प्रैक्टिस ग्राउंड का वीडियो वायरल-गुजरात के वड़ोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज का पहला वनडे खेलने भारतीय क्रिकेट टीम पहुंची। टीम के अभ्यास सत्रों और अन्य कार्यक्रमों के बीच विराट कोहली और उनके नन्हे प्रशंसकों का एक वीडियो सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा। इसमें विराट कोहली हैं और गर्वित समेत कई छोटे बच्चे उनसे ऑटोग्राफ लेने के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। आमतौर पर सार्वजनिक बातचीत से दूरी बनाए रखने वाले विराट कोहली इस बार बच्चों को देखकर मुस्कुराते नजर आए और उन्होंने न सिर्फ बच्चों का अभिवादन किया, बल्कि उन्हें ऑटोग्राफ भी दिए।

एक साल में 1788 घरेलू क्रिकेट मैच खेले जाएंगे,अगस्त में दलीप ट्रॉफी से सीजन की शुरुआत

रणजी ट्रॉफी फिर दो फेज में

मुंबई। भारत के अगले डोमेस्टिक क्रिकेट सीजन में

1788 मैच खेले जाएंगे। 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के मैच से सीजन की शुरुआत होगी। बीसीसीआई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दलीप ट्रॉफी के बाद 1 अक्टूबर से ईरानी कप खेला जाएगा। इसमें रणजी ट्रॉफी की डिफेंडिंग चैंपियन जम्मू-कश्मीर की टीम रेस्ट ऑफ इंडिया से भिड़ेगी। रणजी ट्रॉफी इस बार भी दो चरणों में खेली जाएगी। पहला चरण अक्टूबर-नवंबर 2026 में और दूसरा चरण जनवरी-फरवरी 2027 में होगा। रणजी में 32 टीमों का एलीट ग्रुप और 6 टीमों का प्लेट ग्रुप रहेगा। टी20 ट्रॉफी से महिला डोमेस्टिक सीजन शुरु होगा-महिलाओं का घरेलू सत्र अक्टूबर-नवंबर में सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी से शुरू होगा। इसके बाद इंटर-जोनल ट्रॉफी और वनडे ट्रॉफी दिसंबर से फरवरी तक खेली जाएंगी। अंडर-एज टूर्नामेंट नवंबर से जनवरी तक चलेंगे। सीके नायडू की विजेता टीम 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से खेलेगी-इस सीजन में एक नया मैच जोड़ा गया है। सीके नायडू ट्रॉफी की विजेता टीम रेस्ट ऑफ इंडिया से खेलेगी। इससे उभरते अंडर-23 खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा। पुरुष अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी और यूनिवर्सिटी लेवल पर खेली जाने वाली 'विज्जी ट्रॉफी' को अब वनडे की बजाय टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। मौसम को ध्यान में रखकर शेड्यूल में बदलाव-जनवरी में कुछ इलाकों के मौसम को देखते हुए अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी (एलीट ग्रुप) के सभी मैच बेंगलुरु और मैसूर में खेले जाएंगे। अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी को नवंबर-जनवरी में शिफ्ट कर दिया गया है।

फिल सॉल्ट इस हफ्ते आईपीएल में वापसी करेंगे,आरसीबी के ओपनर को उंगली में चोट लगी थी, इलाज के लिए इंग्लैंड गए थे

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट फिंगर इंजरी के बाद इस हफ्ते भारत लौट रहे हैं। 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। सॉल्ट के बाएं हाथ की उंगली में इंजरी थी। इसके बाद वह इलाज के लिए अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। सॉल्ट की जगह बेथेल ने ओपनिंग की-सॉल्ट की गैरमौजूदगी में जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की। हालांकि बेथेल का प्रदर्शन खराब रहा। वह 7 पारियों में सिर्फ 96 रन बना सके हैं, जिसमें 27 रन उनकी बेस्ट पारी रही है। इसके बावजूद बेथेल 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के लीग का

आखिरी मुकाबला खेल सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सॉल्ट ने आईपीएल में फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने इस सीजन 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। पिछले सीजन टीम की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने 2025 में 175.98 की स्ट्राइकर रेट से 403 रन बनाए थे। आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। टीम ने 17 मई को पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर टॉप-4 में जगह बनाई। अगर नेट रन रेट में बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो टीम 26 मई को धर्मशाला में क्वालीफायर-1 खेलेगी। रेगुलर कप्तान रजत पाटीदार हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्हें पिछले हफ्ते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में हेलमेट पर चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने अगला मुकाबला नहीं खेला था। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कप्तानी की थी।

गिल और सुदर्शन ने की कोहली-डिविलियर्स की बराबरी,आईपीएल में 10वीं बार सेंचुरी पार्टनरशिप

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हरा दिया।

यह चेन्नई की आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी हार रही। मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहली विकेट के लिए 10वीं बार शतकीय साझेदारी की। अंशुल कंबोज के नाम एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने का अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ। चेन्नई-गुजरात मैच के टॉप रिकॉर्ड्स-मोमेंट्सः- 1. दिग्गजों के क्लब में पहुंची युवा भारतीय जोड़ी-गुजरात के ओपनर्स गिल और सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की। इन दोनों ने आईपीएल में 10वीं बार 100 या इससे रनों की साझेदारी की है। टी-20 क्रिकेट में इससे पहले विराट कोहली-एबी डिविलियर्स, बाबर आजम-मोहम्मद रिजवान और क्रिस गेल-कोहली ही 10 बार सेंचुरी पार्टनरशिप कर पाए हैं। गिल और सुदर्शन की ओपनिंग जोड़ी ने मेंस टी-20 क्रिकेट में सबसे कम 46 पारियों में 10वीं शतकीय

साझेदारी की। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ 125 रन जोड़े। क्रिस गेल और विराट कोहली की जोड़ी 63 पारियों में 10 सेंचुरी पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर है। 2. गिल ने टी-20 में 6 हजार रन पूरे किए-गिल ने मेंस टी-20 क्रिकेट में 6 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 185 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। गिल सबसे तेज 6 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर हैं। क्रिस गेल 162 पारियों के साथ पहले नंबर पर हैं। 3. आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे सफल ओपनिंग जोड़ी-आईपीएल में बतौर ओपनिंग जोड़ी सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में गिल और सुदर्शन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दोनों ने 1942 रन जोड़े हैं। उन्होंने विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस की जोड़ी को पीछे छोड़ा। डेविड वॉर्नर और शिखर धवन 2220 रन के साथ टॉप पर हैं। 4. गिल-सुदर्शन ने लगातार दूसरे सीजन 600 प्लस रन बनाए-गिल और

सुदर्शन ने आईपीएल के लगातार दूसरे सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ फिफ्टी लगाई। गुजरात के ओपनर्स ने 2025 में भी 600 से ज्यादा रन बनाए थे। लगातार सबसे ज्यादा सीजन यह आंकड़ा पार करने वालों में क्रिस गेल, डेविड वार्नर, केएल राहुल और विराट कोहली शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने लगातार 3 सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए थे। 5. सुदर्शन ने लगातार पांचवीं फिफ्टी लगाई-सुदर्शन ने आईपीएल 2026 में लगातार 5वीं फिफ्टी लगाई। चेन्नई के खिलाफ उन्होंने 84 रन बनाए। सुदर्शन यह कीर्तिमान हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग, जोस बटलर और डेविड वॉर्नर लगातार 5-5 फिफ्टी लगा चुके हैं। 6. कंबोज ने एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स दिए-कंबोज आईपीएल में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के देने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनकी गेंदों पर इस सीजन 34 छक्के लगे हैं। इस लिस्ट में गुजरात के राशिद खान 33 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। 7. सिराज ने पारी की पहली गेंद पर विकेट लिया-मोहम्मद सिराज ने चेन्नई की पहली गेंद पर ही संजू सैमसन को कैच आउट कराया। वे पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गुजरात के दूसरे गेंदबाज बने। उनसे पहले मोहम्मद शमी यह कारनामा दो बार कर चुके हैं। शमी ने 2022 में केएल राहुल और 2023 में फिल सॉल्ट को पहली गेंद पर आउट किया था। 8. चेन्नई की आईपीएल में सबसे बड़ी हार-गुजरात से मिली 89 रन की हार चेन्नई की आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले 2013 में मुंबई ने उसे 60 रन से हराया था। 9. गुजरात ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की-गुजरात की 89 रन की जीत आईपीएल इतिहास में रन के लिहाज से टीम की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम की सबसे बड़ी जीत इसी साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 82 रन की थी। 10. साई सुदर्शन के पास ऑरेंज कैप-गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके 14 मैचों में 638 रन हो गए हैं। दूसरे नंबर पर गुजरात के ही कप्तान शुभमन गिल हैं, जिन्होंने 13 मैच में 616 रन है। तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने 13 मैच में 579 रन बनाए हैं। यहां से टॉप-5 मोमेंट्सः- 1. सैमसन को चोट की वजह से बाहर जाना पड़ा-गुजरात की पारी के दूसरे ओवर में संजू सैमसन इंजरी के कारण मैदान से बाहर चले गए। स्पेंसर जॉनसन की तीसरी गेंद लेग-स्टंप से काफी बाहर थी। साई सुदर्शन फ्लिक करने गए, लेकिन गेंद बल्लेबाज और विकेटकीपर को छकाते हुए बाउंड्री के बाहर चली गई। बॉल रोकने के लिए डाइव लगाते समय संजू चोटिल हो गए। इसके बाद फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए। फिर उर्विल पटेल ने विकेटकीपिंग संभाली। 2. शिवम दुबे ने पीछे भागते हुए कैच पकड़ा-पहली पारी के 13वें ओवर में शिवम दुबे ने पीछे भागते हुए कैच पकड़ा। जॉनसन के ओवर की दूसरी गेंद पर गिल का बल्ले का बाहरी किनारा लगा और गेंद मिड-विकेट की ओर गई। वहां शिवम ने पीछे भागते हुए कैच लपका। 3. राहुल तेवतिया पहली गेंद पर ही रनआउट हुए-गुजरात की पारी के 19वें ओवर में राहुल तेवतिया पहली गेंद पर ही रनआउट हो गए। कंबोज की दूसरी गेंद पर सुदर्शन का विकेट गिरने के बाद तेवतिया बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने पहली गेंद मिड-ऑफ की ओर खेलकर सिंगल लेने की कोशिश की। ऋतुराज गायकवाड ने नॉन-स्ट्राइकर एंड पर डायरेक्ट थ्रो मारा। रिप्ले में तेवतिया क्रीज से कुछ इंच दूर दिखे और बिना खाता खोले लौटना पड़ा। 4. गायकवाड सिक्स लगाने के बाद अगली गेंद पर बोल्ड हुए- दूसरी पारी के तीसरे ओवर में गायकवाड ने मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर से सिक्स लगाया। सिराज ने अगली ही गेंद पर गायकवाड को बोल्ड कर दिया। गायकवाड 16 रन बनाकर आउट हुए। 5. रबाडा ने लगातार दो गेंद पर विकेट लेकर चेन्नई की पारी समेटी-पारी के 14वें ओवर में कगिसो रबाडा ने दो गेंदों पर दो विकेट लिए। उन्होंने दूसरी गेंद पर नूर अहमद को कॉट एंड बोल्ड किया। इसके बाद चौथी गेंद पर स्पेंसर जॉनसन को जोस बटलर के हाथों कैच कराया। इसके साथ ही चेन्नई ऑलआउट हो गई और गुजरात ने जीत दर्ज की।

पाक की नियति बन चुकी है भुलावे में रहना

भारत के साथ पाकिस्तान के युद्ध का इतिहास कैसा रहा है? सामरिक रूप से ठीक, लेकिन रणनीतिक रूप से नुकसानदायक। यही वजह है कि वह पूरी ताकत से शुरुआत करने के बावजूद हर युद्ध हारता है। लेकिन 1971 और कारगिल युद्ध को छोड़कर उसने ज्यादातर युद्धों में जीत का दावा किया है। गत वर्ष की 87 घंटे की मुठभेड़ को ही देख लीजिए। मुनीर से लेकर पाकिस्तान की राजनीति के सबसे निचले स्तर तक पूरा पाकिस्तान मानता है कि इस बार जीत उसकी हुई; कि इसके बाद अमेरिका ने उसे फिर गले लगाया और इसे उसकी खुद की घोषित 'जीत' की मंजूरी माना गया। जबकि हकीकत यह है कि पहलगाम हत्याकांड के सिर्फ चार दिन पहले और ऑपरेशन सिंदूर के करीब दो हफ्ते पहले स्टीव विटकॉफ के बेटे जाक का दौरा और क्रिप्टो सौदा हो चुका था। मुनीर को मालूम था कि भारत पहलगाम का जवाब देगा। इसलिए उन्होंने ट्रम्प परिवार के लालच का फायदा उठाने की चाल पहले ही तैयार कर ली थी। दुनिया में अधिकतर लोगों से पहले इस बात को समझने के लिए आप मुनीर की तारीफ कर सकते हैं या हो सकता है कि सऊदी अरब ने उन्हें पहले ही सावधान कर दिया हो। लड़ाई शुरू होने से पहले ही उन्होंने ट्रम्प के 'सिस्टम' को अपने पक्ष में कर लिया था। एक हफ्ते पहले, 16 अप्रैल 2025 को विदेश में बसे पाकिस्तानियों को दिए उनके भाषण ने इसका संकेत दे दिया था। वह हत्याकांड भारत की जवाबी कार्रवाई देखने की उनकी योजना का हिस्सा था। ट्रम्प को अपने पक्ष में लाकर कश्मीर मुद्दे को उठाना उनका रणनीतिक लक्ष्य था। पहली चाल सफल रही, लेकिन दूसरी पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान ने यह जानते हुए भारत को उकसाया था कि भारत जवाब में सैन्य कार्रवाई करेगा, इसलिए उसने यह भी अंदाजा लगाया होगा कि किन जगहों को निशाना बनाया जाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारत कौन से हथियार इस्तेमाल करेगा। इसलिए भारतीय वायुसेना ने 7 मई की रात 1 बजकर 7 मिनट पर जब उड़ान भरी, तब वे तैयार थे। अपने अंदरूनी इलाकों में निशानों पर हमलों को वे रोक नहीं पाए, लेकिन यह उनका मकसद भी नहीं था। वे जवाब को हवाई मुठभेड़ तक सीमित रखना चाहते थे। एईडब्ल्यू विमानों और जे-10सी, जेएफ-17 के साथ पीएल-15 मिसाइलों को आगे रखकर इस कार्रवाई का पहले से अभ्यास किया गया था। उन्हें कुछ सफलता मिली और वे इसका जश्न मना रहे थे। भारत में उच्च स्तर पर कुछ विमानों के नुकसान की बात मानी गई है। पूर्व सीडीएस ने इसे 'सामरिक गलती' बताया, लेकिन आईएएफ ने हिसाब बराबर करने की योजना बनाई। सबसे पहले पाकिस्तान के एयर डिफेंस को दबाव में लाने के लिए एंटी-रेडिएशन ड्रोनों से हमला किया गया। और आखिर में पीएएफ के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों पर लगातार हवाई हमले किए गए। पीएएफ का कोई भी विमान, या कितनी भी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्यों न हो, जवाब देने के लिए उड़ान नहीं भर सकी। जब तक पाकिस्तान ने संघर्षविराम की मांग की, तब तक सिर्फ एक पक्ष के पास सबूत थे कि दूसरे पक्ष को कितना नुकसान हुआ है : व्यावसायिक उपग्रहों से मिली तस्वीरें बता रही थीं कि पीएएफ के कम-से-कम 13 हवाई अड्डे और तीन रडार नष्ट हो चुके थे। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी जीत का जश्न मना रहा है। एक भारतीय कमांडर ने कहा यह ऐसा ही था, जैसे भारत ने पाकिस्तान को हॉकी मैच में 3-1 से हरा दिया हो। बात इतनी थी कि उनके सेंटर फॉरवर्ड ने गोल किया और हमारे खिलाड़ियों ने तीन पेनल्टी को गोल में बदल दिया। हमें नुकसान पहुंचाने के उनके दावों का कोई सबूत नहीं है। भारत के सभी हवाई अड्डों के पास शहर बसे हुए हैं, कुछ भी छिपा नहीं है, लेकिन कोई उपग्रह तस्वीर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के सभी दावे बेकार हैं। बहरहाल, यहां मैं हाल के इतिहास को दोहराने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि अपनी मुख्य बात पर जोर दे रहा हूं। वह यह है कि पाकिस्तानी फौजी दिमाग अच्छी तरह सोचता है, लेकिन सिर्फ सामरिक चालों के हिसाब से सोचता है। वह यह अंदाजा नहीं लगा पाता कि भारत किस तरह जवाब देगा। यह अंदरूनी कमजोरी, भारतीय सेना के प्रति अनादर या दोनों का मेल हो सकता है। यह विचार भी हमें पाकिस्तानी लेखक शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोर्ड्स से मिला है। कारगिल युद्ध की बात करते हुए उन्होंने लिखा है कि भारत के साथ 'वार गेम' खेल रही पाकिस्तानी टीम ने बिल्कुल सही अनुमान लगाया था कि वाजपेयी सरकार किस तरह जवाब देगी। अगर उसे गंभीरता से लिया जाता, तो पाकिस्तान हार, पीछे हटने और बेइज्जती से बच सकता था, लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। सामरिक दृष्टि से कारगिल युद्ध शानदार था। धोखा, योजना, गोपनीयता, इलाके का चुनाव और जगह का महत्व, हर लिहाज से शानदार। लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तोष्ठ, भारत ने अगर मुकाबला किया तो? इसके लिए रणनीतिक सोच चाहिए, जिसकी पाकिस्तान में कमी है। कारगिल इसलिए रणनीतिक हार साबित हुई, क्योंकि इसने नियंत्रण रेखा की वैश्विक मान्यता को मजबूत कर दिया। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर थोड़ी देर रुकते हुए बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को कैमरे पर कहा था कि इस उपमहाद्वीप के नक्शे पर खींची गई सीमाओं को अब खून से नहीं बदला जा सकता। यह कहानी पहले भी पुरानी लड़ाइयों में दोहराई जा चुकी है।

1965 में छंब पर कब्जा करने के लिए ऑपरेशन जिब्राल्टर और इसके बाद अखनूर पर कब्जा करने के लिए ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम चलाया गया, ताकि कश्मीर को भारत से काट दिया जाए। पाकिस्तानी सेना ने यह सोच लिया कि भारत कश्मीर छोड़ देगा और भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई पर ठीक से विचार नहीं किया गया। उसी युद्ध में खेमकरण में टैंकों से किया गया अप्रत्याशित हमला इस उपमहाद्वीप के सबसे साहसी हमलों में गिना जाता है। उस युद्ध की सबसे बड़ी लड़ाई पाकिस्तान की हार और उसके बेहतरीन टैंकों के नष्ट होने की थी। पाकिस्तान ने उस युद्ध में भी अपनी जीत का दावा किया था, लेकिन विडंबना यह है कि वह 6 सितंबर को 'डिफेंस ऑफ पाकिस्तान डे' के रूप में मनाता है! इतिहास का सबक है-ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान ने गलत सबक लिया है। ऐसे में हमें पाकिस्तान की अगली उकसाने वाली कार्रवाई का अंदाजा पहले ही लगाना होगा। इतिहास बताता है कि जब पाकिस्तानी सत्ता ऐसी स्थिति में पहुंचती है, तब वह सबसे खराब, और खुद को ही नुकसान पहुंचाने वाले रणनीतिक फैसले करती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

एक-दूसरे की देह का शोषण काम-ऊर्जा का दुरुपयोग है

अपराध वेश बदलने में बड़ा माहिर होता है। हर दौर में अपराध नई-नई शक्ल लेकर आता है। दार्शनिकों ने कहा है अपराध मिटता नहीं है, छुप जाता है और मौका मिलने पर सामने आ जाता है। आज राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। हमने एक पूर्व प्रधानमंत्री को इस दिन खोया था। आतंकवाद भी अपराध का एक चेहरा है। उस पर तो सरकार जैसे-तैसे काबू पा रही है, लेकिन इन दिनों एक नई शक्ल सामने आ रही है। किशोर और तरुण उम्र के युवक-युवती दैहिक अपराध में लिप्त हो रहे हैं। एक-दूसरे के शरीर का शोषण काम-ऊर्जा का दुरुपयोग है। स्त्रियों को पुरुषों से बराबरी करनी चाहिए, लेकिन पीड़ा तब हो रही है जब स्त्रियां अपराध के क्षेत्र में भी पुरुषों से बराबरी कर रही हैं। अब तो लड़कियां भी छात्रा के रूप में किसी और की परीक्षा दे देती हैं। ये शिक्षा जगत का बड़ा अपराध है। न्याय-व्यवस्था के भीतर भी द्वंद्व है इस बात को लेकर कि पॉक्सो में 90फीसदी केस ऐसे सामने आए, जिसमें युवती की स्वीकृति थी और बाद में उसे अपराध की शक्ल दी गई। ये लक्षण देश के दिव्य देह-स्वरूप पर कोढ़ की तरह हैं। पं. विजयशंकर मेहता।

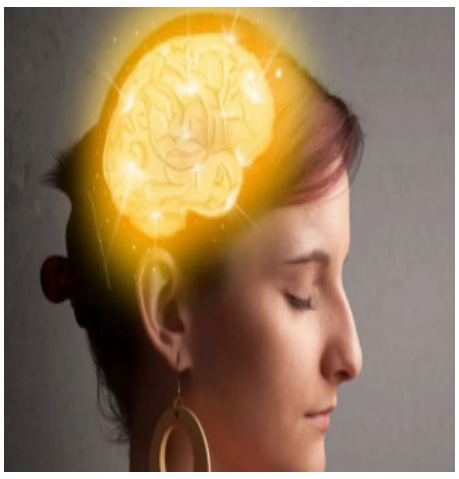

मेलजोल और अपनापन भी एक तरह की देशसेवा है

राजनीतिक दल एक-एक करके हमारे देश के प्रदेशों पर खूब काम कर रहे हैं। सरकारें बदल गईं, नई-नई योजनाएं रूप ले रही हैं। हर प्रदेश प्रमुख का दावा है कि हमने श्रेष्ठ कर दिया, लेकिन अब प्रदेश के साथ-साथ समाज और परिवार पर भी काम करने का समय आ गया। हमारे भारत देश को आने वाले समय में जिस कठिनाई का सामना करना है, उसमें हमारी ताकत हमारा परिवार और समाज है। कोई 16-17 साल पहले यह दुनिया एक कठिन आर्थिक दौर से गुजरी थी। हमारे शीर्षस्थ राजनेताओं ने संकेत कर दिया है- बुरे दिन आने वाले हैं। ऐसे में परिवार और समाज की भूमिका हमें और दृढ़ करनी पड़ेगी। अगर हम समाज और परिवार में केवल एक खतरनाक बदलाव पर ध्यान दें और उसमें सुधार करें तो भी देशसेवा बहुत बड़ी हो जाएगी और वो है- अकेलापन। तो अपने घर के सदस्यों के साथ और अपने निवास स्थान में पड़ोसियों के साथ अत्यधिक मेलजोल, अपनापन बनाए रखिएगा। अगर हम इतना करते हैं तो ये भी एक देशसेवा होगी।पं. विजयशंकर मेहता

खेल की दुनिया में नस्लवादी टिप्पणियों की कोई जगह नहीं

कुछ दिनों पहले मैंने सोशल मीडिया पर अर्शदीप सिंह द्वारा तिलक वर्मा की चमड़ी के रंग का मजाक उड़ाने संबंधी एक पोस्ट को देखा। तिलक ने उस बात को सहज रूप से टाल दिया और सोशल मीडिया पर भी इसे सामान्य ढंग से ही लिया गया। लेकिन यही तो समस्या है। हम ऐसी बातों को सामान्य मान लेते हैं, क्योंकि हम इनको लेकर पर्याप्त संवेदनशील नहीं हैं। समस्या केवल अर्शदीप तक सीमित नहीं है। यह एक भारतीय समस्या है, और हम सबने इसे 'इसमें ऐसी कौन-सी बड़ी बात है' कहकर स्वीकार कर लिया है। धनराज पिल्लई का ही उदाहरण लीजिए। जब पिल्लई पहली बार परिदृश्य में उभरे थे, तो उन्होंने अपनी प्रतिभा से सबको चकित कर दिया था। उन्हें रोक पाना असम्भव लगता था। लेकिन हॉकी मैचों में उनकी त्वचा के रंग की ओर संकेत करने वाली एक टिप्पणी लगातार सुनाई देती थी। स्वयं पिल्लई ने मुझे यह घटना सुनाई थी तो उन्हें भी इसमें कुछ असामान्य नहीं लगा। बल्कि इसे नॉर्मल माना था। आखिर हम इसी तरह तो बोलते हैं, फिर इसमें इतनी बड़ी बात क्या है? यहां उन नाइजीरियाई फुटबॉल खिलाड़ियों के मुद्दे को भी जोड़ लें, जिन्होंने कोलकाता में खेलते हुए अपना करियर बनाया। उनमें से कुछ आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। लेकिन इससे लोग उन पर रंगभेदी या नस्लवादी टिप्पणी करने से नहीं रुके। चीमा ओकरी इसका उदाहरण हैं। वे भारत में फुटबॉल में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं, लेकिन उन्हें भी 'काला चीता' कहकर पुकारा जाता था। यह सब इतना स्वाभाविक बना दिया गया है कि हमें इन शब्दों के इस्तेमाल में कोई समस्या दिखाई ही नहीं देती। शायद अर्शदीप सिंह को नहीं पता कि सीमारेखा कहां खींची जानी चाहिए। उनके लिए यह सब मजाक और हल्की-फुल्की चुहलबाजी का विषय भर हो सकता है।यहां तक कि तिलक वर्मा भी शायद यह नहीं समझ पाए कि इस पर उनकी प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए, इसलिए उन्होंने बात को वहीं पर छोड़ दिया। लेकिन हमें इस तरह के मामलों में अधिक शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है, और यह जितनी जल्दी हो, भारत के लिए उतना ही बेहतर होगा। आज भी यदि हम कोलकाता में सप्ताहांत का कोई मैच देखने जाएं- जिसमें कोई अफ्रीकी खिलाड़ी खेल रहा हो- तो लगभग निश्चित है कि कोई न कोई दर्शक उस पर नस्लवादी टिप्पणी करेगा। जहां यह उस खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वह तुरंत इस बात को रेफरी के संज्ञान में लाए, वहीं वहां मौजूद हर व्यक्ति का भी यह फर्ज है कि वह ऐसे व्यक्ति को रोके और टोके। यह एक सामूहिक अभियान होना चाहिए, जिसे केवल अधिकारियों और प्रशासकों पर नहीं छोड़ा जा सकता। हमारे पास ऐसे लोगों की पूरी जमात है, जो त्वचा के रंग को अपमान करने का अपना विशेषाधिकार मानते हैं। सदियों से हमें इस वायरस की कोई वैक्सीन नहीं मिली है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम इसे विकसित करें। यह भी अत्यंत आवश्यक है कि खिलाड़ी इस बुराई के विरुद्ध एकजुट हों, प्रतीकात्मकता से आगे बढ़ें और इस संकल्प को वास्तव में चरितार्थ करें कि नस्लीय अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, जो लोग नस्लीय टिप्पणियों के शिकार हुए हैं लेकिन बोलने से बचते रहे हैं, वे भी इस बुराई को बढ़ावा देने के उतने ही दोषी हैं। उन्हें समझना चाहिए कि मानवीय गरिमा के सामने खेल की कोई कीमत नहीं है, और समाज के प्रति उनकी भी एक जिम्मेदारी है। आने वाले समय में बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को संवेदनशीलता पर आधारित एक ओरिएंटेशन कोर्स शुरू करने पर विचार करना चाहिए। सोशल मीडिया के इस दौर में- जहां खिलाड़ी हर समय प्रशंसकों और अन्य लोगों की निगाहों में रहते हैं- उन्हें पहले की तुलना में कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक रूप से सजग होने की आवश्यकता है। पहले यदि ऐसी बातें कही भी जाती थीं, तो वे सार्वजनिक नहीं होती थीं, क्योंकि हर चीज सोशल मीडिया पर नहीं आती थी। लेकिन अब तो एक्स और इंस्टाग्राम पर ही पूरा जीवन जिया जा रहा है। ऐसे में खिलाड़ियों का एक ओरिएंटेशन कोर्स उन्हें 'क्या करें' और 'क्या न करें' का अंतर स्पष्ट बता सकता है। बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को संवेदनशीलता पर आधारित एक ओरिएंटेशन कोर्स शुरू करने पर विचार करना चाहिए। सोशल मीडिया के इस दौर में खिलाड़ियों को पहले की तुलना में कहीं अधिक सजग होने की आवश्यकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

समस्या से बचें नहीं, सामना करें, कौन जाने आप ही समाधान खोज लें

दूसरों के बारे में तो मुझे नहीं पता, लेकिन मेरे परिवार को हाल ही में घरेलू मोर्चे पर एक समस्या झेलनी पड़ी। हमारे घर में काम करने वाले लोग गांव चले गए। यह हर साल का रिवाज है, किन्तु उनकी जगह काम करने वाला कोई आसानी से मिल जाता है। लेकिन इस बार कोई नहीं मिला। इसकी वजह राज्य चुनाव और शादी का सीजन बताया गया। तब मेरी पत्नी ने रोम्बा का सहारा लिया- झाड़ू-पोंछा करने वाला रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर। उसके काम से प्रभावित होकर मैंने खोजा कि इसे किसने बनाया। ये 58 साल की हेलन ग्रेनर थीं। रोबोटिक्स में ग्रेनर की दिलचस्पी तब शुरू हुई, जब उन्होंने 10 साल की उम्र में 'स्टार वार्स' फिल्म देखी और उसके किरदार आर2-डी2 से बेहद प्रभावित हो गईं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट और कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स हेलन ने मशहूर रोम्बा को को-क्रिएट किया। इसे 2002 में लॉन्च किया गया और यह पहला बेहद सफल कॉमर्शियल घरेलू रोबोट बन गया। आज रोम्बा हमारे कमरे में बैठा रहता है और काम पर लग जाने के लिए हमारे कमांड का इंतजार करता है। उसने पूरे घर का नक्शा याद कर लिया है- वो 'नो-गो जोन' भी, जहां उसे जाने की अनुमति नहीं है। सामान्य टू-बेडरूम हाउस में वह 45 मिनट से भी कम समय में बिना किसी निगरानी के सिर्फ वॉइस कमांड पर झाड़ू-पोंछा कर सकता है। महिलाओं से अपेक्षा की जाती रही है कि वे न सिर्फ परिवार के खाने और कपड़ों का काम संभालें, बल्कि घर को साफ रखने समेत कई अन्य कामों में शारीरिक मेहनत भी करें। ऐसे कई काम थे, जो रोज घंटों की मेहनत मांगते थे और घरेलू जीवन को नीरस बना देते थे। इसीलिए कई महिलाएं ऐसे आविष्कारों के लिए प्रेरित हुईं, जो उनका समय बचा सकें। सबसे ज्यादा कमर तोड़ने वाला काम है बर्तन धोना। हालांकि डिशवॉशिंग मशीनें पहले से मौजूद थीं, लेकिन 1883 में जोसेफिन कोक्रेन के पति की मौत हो गई और वे कर्ज में डूब गईं। पहले से मौजूद डिशवॉशिंग मशीनों में ब्रश और स्क्रबर का इस्तेमाल होता था, जिनसे ठीक सफाई नहीं होती और क्रॉकरी को नुकसान भी पहुंचता था। यह मशीन भी ठीक उनके सर्वेंट जैसा ही परिणाम देती थी। तब उन्होंने कहा कि 'अगर कोई और डिशवॉशिंग मशीन नहीं बनाएगा, तो मैं खुद बनाऊंगी।' उन्होंने ऐसी मशीन डिजाइन की, जिसमें धातु की रैक में रखे बर्तनों को धोने के लिए मोटर से चलने वाले पहिए और हॉट-वॉटर प्रेशर का उपयोग होता था। दिसंबर 1886 में उन्हें अपने आविष्कार के लिए पेटेंट मिला और यही खोज आधुनिक डिशवॉशर्स के मानक डिजाइन का आधार बनी। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि लगभग हर घर की रसोई का सबसे आम साथी रेफ्रिजरेटर भी महिलाओं की ही देन है। पहले ज्यादातर लोग आइस बॉक्स इस्तेमाल करते थे, जिसमें लगातार पिघला हुआ पानी ?निकालने की समस्या थी। महिलाओं को खाना खराब होने से बचाने के लिए पकाने और इसे स्टोर करने की योजना बनानी पड़ती थी। दरअसल, आप और हम जो इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर आज इस्तेमाल करते हैं, उसका पेटेंट 1914 में एक महिला स्टेनोग्राफर फ्लोरेंस परपार्ट ने कराया था। ऐसा करने वाली वे पहली महिला नहीं थीं। फ्रेड डब्ल्यू वुल्फ ने 1913 में इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर का पेटेंट कराया, जिसमें इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर आइस बॉक्स के ऊपर रखा जाता था। लेकिन फ्लोरेंस ने इसे पूरी तरह मैकेनाइज्ड कर फ्रंट ओपनिंग कैबिनेट लगाया, जिससे उनके लिए खाना रखना और निकालना काफी आसान हो गया।दिलचस्प यह है कि जब महिलाओं को पेटेंट नहीं दिए जाते थे तो पेंसिल्वेनिया के थॉमस मास्टर्स ने कॉर्न प्रोसेसिंग मशीन का पेटेंट कराया, जबकि यह आविष्कार उनकी पत्नी सिबिला मास्टर्स ने किया था। 1715 तक हाथ से मक्का पीस कर आटा बनाना समय लेने वाला और कठिन कार्य था। इसीलिए सिबिला ऐसी मशीन बनाने के लिए प्रेरित हुईं। ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिन्हें मैकेनाइज करने में महिलाओं ने योगदान दिया। चाहे वह मार्गरेट ई. नाइट की फ्लैट बॉटम पेपर बैग मशीन हो, सारा बून का बेहतर आयरन बोर्ड हो या मैरियन ओ ब्रायन डोनोवान का वॉटरप्रूफ डायपर कवर। फंडा यह है कि समस्या का सामने से मुकाबला करें, कौन जाने अगले आविष्कारक आप ही हों। एन. रघुरामन

छोटी-सी उपलब्धि पर बच्चे 'डेंडेलियन का ताज' क्यों पहन लेते हैं?

बहुत पहले मैं किसी काम से मुंबई के शिवाजी पार्क गया, जहां से सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी निकले हैं। इसी वजह से क्रिकेट कोचिंग के लिए यहां आने वाले हर बच्चे की मां अपने बच्चे में 'सचिन' देखने लगी। जब तक बेटा प्रैक्टिस पूरी न कर ले, वे घंटों तक साइडवॉल पर बैठी रहतीं। वहां मैंने एक मां को अपने बेटे की तरफ चिल्लाते हुए सुना, 'गो...रन... यू कैन।' जैसे ही बच्चे ने बॉलिंग एंड पर पहुंच कर शिवाजी पार्क में पहला रन पूरा किया, जिसे मां वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, उसने शाबासी के लिए मां की ओर देखा। मां के प्रतिक्रिया देते ही लड़का अपनी जगह छोड़कर मां की ओर ऐसे भागा, जैसे कोई बड़ी उपलब्धि पा ली हो और पानी पिलाने के लिए कहा। आपको अन्य पैरेंट्स की आंखें देखनी चाहिए थीं, जो मां पर टिक गईं। जबकि मां की आंखें लगातार बेटे को ऐसा न करने की चेतावनी दे रही थीं। कोच जानता था कि एक बच्चे ने भी उसके निर्देशों की अनदेखी की तो जल्द ही पूरे मैदान में अव्यवस्था फैल जाएगी। वह मां उस वक्त पैरेंटिंग की दो प्रतिस्पर्धी भावनाओं में फंसी थी। एक तरफ वह एक दिन बेटे को 10 नंबर की टीशर्ट में देखना चाहती थीं, और ऐसा सपना देखने का हक सबको है। दूसरी तरफ, एक मां के रूप में वह परखना चाहती थीं कि क्या उनका बेटा तेज गर्मी में खड़े रह कर यह कठिन खेल सीख सकता है? बाद में कोच ने मुझे बताया कि वह बच्चा आखिरकार क्रिकेट कोचिंग से बाहर हो गया और इंडोर स्टेडियम में टेनिस खेलने लग गया। तब मैंने उस मां की कल्पना की, जो अब बच्चे के रोजर फेडरर बनने का सपना देख रही होगी- कई खिताब जीत चुका एक शांत, लेकिन शानदार खिलाड़ी। मुझे यह घटना तब याद आई जब सोमवार को मैं एक प्रमुख यूनिवर्सिटी में अर्पित, दुर्गेश, अमन, निलेश, जयदीप और विशाल के अलावा 10 अन्य स्टूडेंट्स से मिला। इन छहों में एक बात समान थी- वे किसान परिवारों से थे और शायद अपने परिवारों के पहले ग्रेजुएट थे। उन 16 स्टूडेंट्स के जीवन को दिशा देने के लिए उन्हें मेरे समक्ष लाया गया, क्योंकि वे बिना यह समझे इधर-उधर भटक रहे थे कि ग्रेजुएशन खत्म होने तक आखिर उन्हें हासिल क्या करना है। जैसे ही मैं उनके कमरे में घुसा, मुझे लगा कि ये लड़के 'डेंडेलियन का ताज' पहने हुए हैं। अंग्रेजी के इस मुहावरे में 'डेंडेलियन का ताज' का अर्थ दो मुख्य विषयों में बांटा जा सकता है। पहला- डेंडेलियन बहुत मजबूत और किसी भी जगह सबसे पहले उगने वाले पौधे हैं। यहां तक कि ये कंक्रीट तोड़ कर भी उग जाते हैं। आयुर्वेद में इसे दुग्धफेनी या सिंहपर्णी कहते हैं। और दूसरा, जिन ठंडे, पहाड़ी इलाकों में यह सर्वाधिक पाया जाता है, वहां गरीब बच्चों को इसके फूलों का ताज पहनकर राजा-रानी का खेल खेलते देखा जा सकता है। इस प्रकार वे जीवन के संघर्ष, आनंद और भावनात्मक सुकून का उत्सव मनाते हैं। यह बचपन में वसंत के बेफिक्र दिनों की याद दिलाता है। इसे पहनना मानो खेल, सुकून और अपने प्राकृतिक रूप से दोबारा जुड़ने का निमंत्रण होता है। उन 16 स्टूडेंट्स के लिए इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी में पहुंचना ही एक उपलब्धि थी, जैसे शिवाजी पार्क में एक रन बनाने पर उस बच्चे को लगा कि अब वह एक गिलास पानी का हकदार है और गंभीर खेल बीच में छोड़कर मां की तरफ भाग गया।

पुलवामा हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की हत्या,पीओके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

हमजा कश्मीर का रहने वाला, वीजा पर पाकिस्तान गया

इस्लामाबाद। 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक हमजा पर गुरुवार को मुजफ्फराबाद के एम्स कॉलेज के बाहर अज्ञात हमलावरों ने कई गोलियां चलाईं, बाद जाकिर मूसा हिजबुल का कमांडर बना था। वह 23 मई 2019 को पुलवामा जिले के त्राल इलाके में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में मारा गया था। 4 महीने में पाकिस्तान के 4 बड़े आतंकियों की मौत- पाकिस्तान में पिछले 4 महीने में 4 बड़े आतंकियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है।

जिनमें से तीन उसके सिर में लगीं। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हमजा बुरहान जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले का रहने वाला था। वह पहले आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा था और बाद में अल बराक के लिए काम करने लगा। वह मुजफ्फराबाद के चीला बांदी इलाके में भारी सुरक्षा के बीच रह रहा था। उसके पास कमांडो सुरक्षा, बुलेटप्रूफ गाड़ी और एस्कॉर्ट वाहन भी थे। भारत ने 2022 में उसे यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी सहयोगी माना जाता था। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी करीबी संबंध थे। भारत से पाकिस्तान गया, फिर आतंकी संगठन से जुड़ा- सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्नीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। वह कानूनी तरीके से पाकिस्तान गया था। वहां जाकर वह अल बद्र में शामिल हो गया और बाद में संगठन का सक्रिय आतंकी और कमांडर बन गया। अभी वह पाकिस्तान से ही काम कर रहा था। उस पर आरोप है कि वह युवाओं को अल बद्र में शामिल होने के लिए उकसाता था और फंडिंग भी करता था।

जांच एजेंसियों के अनुसार 2020 में सीआरपीएफ जवानों पर ग्रेनेड हमले और युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती कराने जैसी गतिविधियों में भी शामिल रहा। पुलवामा अटैक में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे-14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था। श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर लेथपोरा इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने विस्फोटकों से भरी एसयूवी बसों से टकरा दी थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि दो बसों के परखच्चे उड़ गए और 40 जवान शहीद हो गए। जांच में सामने आया कि हमले से पहले सुरक्षा एजेंसियों को कई इंटेलिजेंस इनपुट मिले थे, लेकिन आतंकी साजिश को रोका नहीं जा सका। बाद में एनआईए ने अपनी चार्जशीट में जैश-ए-मोहम्मद और उसके सरगना मसूद अजहर को हमले का मास्टरमाइंड बताया था। इसके अलावा हमजा जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के काकापोरा इलाके में 18 नवंबर 2020 को हुए आतंकी हमले में भी शामिल था। तब आतंकियों ने बंकर पर ग्रेनेड हमला किया था। हालांकि ग्रेनेड अपने निशाने से चूककर सड़क पर फट गया, जिससे 12 नागरिक घायल हो गए। बुरहान वानी का करीबी था हमजा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमजा बुरहान लंबे समय से पाकिस्तान और पीओके में सक्रिय था। बुरहान मुजफ्फराबाद के एम्स कॉलेज के बाहर मारा गया। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी सहयोगी था।

बुरहान वानी 8 जुलाई 2016 को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। उसकी मौत के बाद कश्मीर में लंबे समय तक हिंसा और विरोध प्रदर्शन हुए थे। बुरहान वानी की मौत के इनके पीछे अज्ञात हमलावर का हाथ बताया जा रहा है, हालांकि इनकी पुष्टि नहीं हो पाई है। 1. लश्कर आतंकी- मोहम्मद कासिम गुज्जर- लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी मोहम्मद कासिम गुज्जर की फरवरी 2026 में पाकिस्तान के पेशावर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर हमला किया था। हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई। कासिम गुज्जर उर्फ सलमान/सुलेमान को भारत सरकार ने 2024 में यूएपीए के तहत घोषित आतंकवादी घोषित किया था। भारतीय एजेंसियों के अनुसार, वह कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था और जम्मू-कश्मीर में नए आतंकी मॉड्यूल तैयार करने का काम कर रहा था। उस पर आतंकियों को हथियार और फंडिंग पहुंचाने, सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए भर्ती करने और कई आतंकी हमलों में भूमिका निभाने के आरोप थे। 2. जैश-ए-मोहम्मद कमांडर- सलमान अजहर अप्रैल 2026 में पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के सीनियर कमांडर सलमान अजहर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, वो एक 'हिट-एंड-रन' जैसी घटना का शिकार हुआ। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स इसे टारगेट किलिंग बताया गया था। इसकी भी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई। सलमान अजहर को जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर का करीबी सहयोगी माना जाता था। जैश-ए-मोहम्मद वही आतंकी संगठन है जिसे भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र आतंकवादी संगठन घोषित कर चुके हैं। सलमान अजहर संगठन के ऑपरेशनल नेटवर्क और भर्ती अभियान से जुड़ा हुआ था। बहावलपुर को लंबे समय से जैश का प्रमुख ठिकाना माना जाता रहा है। 3. लश्कर कमांडर- शेख यूसुफ अफरीदी-पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर शेख यूसुफ अफरीदी की अप्रैल 2026 को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यूसुफ अफरीदी को लश्कर-ए-तैयबा के बड़े नेटवर्क से जुड़ा माना जाता था। वह कथित तौर पर संगठन के लॉजिस्टिक्स और कम्युनिकेशन सिस्टम को संभालता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसे हाफिज सईद का करीबी भी माना जाता था। 4. हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर- सज्जाद अहमद-पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मई 2026 में हिजबुल मुजाहिदीन का सीनियर कमांडर सज्जाद अहमद संदिग्ध परिस्थितियों में मारा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हालांकि पाकिस्तान सरकार की ओर से घटना पर ज्यादा आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। सज्जाद अहमद मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के बारामूला इलाके का रहने वाला था। कहा जाता है कि वह 1990 के दशक के अंत में पाकिस्तान चला गया था, जहां उसने आतंकी ट्रेनिंग ली। बाद में वह हिजबुल मुजाहिदीन के लिए फंडिंग, ट्रेनिंग और नेटवर्किंग जैसे काम संभालने लगा। वह पाकिस्तान से कश्मीर में आतंकी एक्टिविटी के कॉर्डिनेशन में एक्टिव रोल निभा रहा था। हिजबुल मुजाहिदीन लंबे समय तक घाटी में एक्टिव प्रमुख आतंकी संगठनों में शामिल रहा है।

शंकराचार्य बोले- गोमाता को कटने नहीं देंगे, गो-एलएक्स पर गाय खरीदेंगे और बेचेंगे, ओएलएक्स की तर्ज पर नई वेबसाइट का ऐलान

वाराणसी। गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त का ऐलान किया है। शंकराचार्य ने 'गो-एलएक्स (गो-एलएक्स)' नाम से एक वेबसाइट शुरू करने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से गायों की खरीद की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा-'हम एक वेबसाइट बनवा रहे हैं। इस वेबसाइट के जरिए हम गायों को खरीदेंगे। जो पशुपालक या व्यापारी अपनी गाय बेचना चाहता है, वह वेबसाइट पर विज्ञापन दे सकता है। अगर कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो मुझे बेचे। हम खरीदने के लिए तैयार हैं। हम गायों को कटने नहीं देंगे और किसी गोहत्यारे को गाय खरीदने नहीं देंगे।' पहले जानिए शंकराचार्य ने क्या कहा? शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि हम गायों को खरीदकर उनकी सेवा करेंगे। हिंदुओं के कहने पर ही अपने वेबसाइट बनाई है। हमने इसका नाम 'गो-एलएक्स (गो-एलएक्स)' रखा है। लोग हमनी गाय यहां बेच सकते हैं। गो संरक्षण को समर्पित लोग भी उन गायों को खरीदकर सेवा कर सकेंगे।क्यों लिया यह फैसला? गायों को ऑनलाइन खरीदने का फैसला लेने की वजह बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों से यह नैरेटिव फैलाया जा रहा कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गो मांस खाना छोड़ देंगे तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।उन्होंने कहा कि वह ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर दी हैं या जिनको कसाई को बेचा जा रहा। पशुपालक उन गायों को हमारी वेबसाइट पर सीधे बेच सकेंगे और हम उसकी खरीदी करेंगे।कोई भी सच्चा हिंदू अपनी गाय को कटने के लिए नहीं बेच सकता। यदि किसी व्यक्ति में वास्तविक हिंदुत्व है, तो वह कभी भी गाय को कसाई के हाथों में नहीं सौंपेगा। मुस्लिम समाज भी गोहत्या बंदी के समर्थन में- शंकराचार्य ने कहा कि भारत में गो हत्या बंदी के समर्थन में मुस्लिम समाज भी है। मुस्लिम समाज के काफी लोग साथ हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया है कि इस्लाम में गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। हम ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं। यदि देश में गोहत्या और गोमांस भक्षण बंद होता है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सद्भाव को बल मिलेगा। गो-एलएक्स का मकसद, गायों को कटने से बचाना है-शंकराचार्य ने कहा- 'गो-एलएक्स' मंच का उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में गाय को कत्लखाने जाने से रोकना है। यह मंच ओएलएक्स की तर्ज पर कार्य करेगा। जहां गाय बेचने की इच्छा रखने वाले लोग संपर्क कर सकेंगे। गो सेवक और गो भक्त गायों को संरक्षण के लिए खरीद सकेंगे।

एफएम रेडियो पर संकट, सरकार से राहत की मांग,कंपनियों ने कहा- जीएसटी घटाएं, लाइसेंस फीस हटाएं,नहीं तो थम जाएगी इंडस्ट्री की रफ्तार

नयी दिल्ली। देश का प्राइवेट एफएम रेडियो सेक्टर इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। विज्ञापन घट रहे हैं, खर्च बढ़ रहा है और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से रेडियो की कमाई पर असर पड़ रहा है। ऐसे में रेडियो कंपनियां सरकार से नियमों में कुछ बड़े बदलाव चाहती हैं। इंडस्ट्री एक्स्पर्ट्स का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं मिली तो आने वाले समय में और एफएम स्टेशन बंद हो सकते हैं। वहीं सही फैसले होने पर सेक्टर में निवेश बढ़ सकता है और नए रोजगार के साथ स्थानीय कंटेंट को भी बढ़ावा मिलेगा। रेडियो कंपनियों की सरकार से 5 बड़ी अपेक्षाएं:- 1. एफएम रेडियो को न्यूज प्रसारण की अनुमति मिले- भारत में प्राइवेट एफएम रेडियो चैनलों को स्वतंत्र रूप से न्यूज प्रसारण की इजाजत नहीं है। रेडियो कंपनियों का कहना है कि सिर्फ गानों के भरोसे अब ग्लोबल म्यूजिक और स्ट्रीमिंग ऐप्स से मुकाबला करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में न्यूज का प्रसारण रेडियो को नई पहचान दे सकता है। कंपनियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर बिना किसी कंट्रोल के लाखों लोग न्यूज कंटेंट बना रहे हैं, जबकि एफएम रेडियो पहले से तय नियमों के तहत काम करता है। 2. 2030 के बाद लाइसेंस रिन्यूअल बाजार के हिसाब से हो-रेडियो कंपनियों का कहना है कि पुराना ऑक्शन मॉडल अब मौजूदा बाजार के हिसाब से फिट नहीं बैठता। विज्ञापन बाजार बदल चुका है, इसलिए 2030 के बाद एफएम फेज-3 लाइसेंस का रिन्यूअल बाजार के हिसाब से तय कीमतों पर किया जाना चाहिए। 3. एनुअल लाइसेंस फीस खत्म हो-रेडियो सेक्टर का कहना है कि उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा फीस और टैक्स में चला जाता है। ऐसे में कंटेंट, टेक्नोलॉजी और नए शहरों में विस्तार के लिए निवेश करना मुश्किल हो रहा है। इसलिए एनुअल लाइसेंस फीस खत्म करने की मांग की गई है।4. जीएसटी 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी किया जाए- रेडियो कंपनियों की मांग है कि एफएम सेक्टर पर लगने वाले जीएसटी को 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी किया जाए। कंपनियों का कहना है कि इससे रेडियो को दूसरे मीडिया प्लेटफॉर्म्स के मुकाबले टिके रहने में मदद मिलेगी। 5. स्मार्टफोन में एफएम फीचर जरूरी हो- आजकल आने वाले ज्यादातर स्मार्टफोन में एफएम रेडियो फीचर नहीं होता। इंडस्ट्री की मांग है कि सरकार मोबाइल कंपनियों के लिए एफएम रिसीवर एक्टिव रखना अनिवार्य करे। रेडियो कंपनियों का कहना है कि आपदा के समय, नेटवर्क फेल होने पर या इमरजेंसी जैसी स्थिति में रेडियो सबसे भरोसेमंद माध्यम साबित हुआ है। कॉपीराइट-डिजिटल स्ट्रीमिंग मुद्दों पर भी राहत की मांग-रेडियो सेक्टर, कॉपीराइट मुद्दों का हल निकलने का लंबे समय से इंतजार कर रहा है। साथ ही एफएम के प्रसारण को मौजूदा रॉयल्टी व्यवस्था के तहत डिजिटल लाइव स्ट्रीमिंग यानी साइमलकास्ट (एक साथ प्रसारण) की अनुमति देने की मांग भी है। इंडस्ट्री पर बढ़ता संकट, बड़े शहरों में बंद हो रहे एफएम स्टेशन-देश के कई बड़े शहरों में अब एफएम रेडियो स्टेशनों पर संकट साफ दिखाई देने लगा है। हाल ही में एचटी मीडिया ग्रुप ने मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में अपने कुछ एफएम रेडियो लाइसेंस सरेंडर करने का फैसला किया है। इससे पहले टीवी टुडे नेटवर्क भी कई शहरों में अपने रेडियो ऑपरेशन बंद कर चुका है और रेड एफएम ने भी मुंबई में अपना एक स्टेशन बंद किया था। एफएम स्टेशनों के बंद होने का असर रोजगार पर भी पड़ा है। इंडस्ट्री से जुड़े हजारों लोगों की नौकरियों पर इसका असर हुआ है। साथ ही सरकार की कमाई भी प्रभावित हुई है, क्योंकि डीटीएच के बाद एफएम रेडियो ऐसा मीडिया सेक्टर है जो सरकार को लाइसेंस फीस देता है।प्राइवेट एफएम रेडियो सेक्टर पर लगातार दबाव बढ़ रहा- जानकारों का कहना है कि कभी देश के सबसे बड़े मीडिया माध्यमों में गिने जाने वाला प्राइवेट एफएम रेडियो सेक्टर अब लगातार दबाव में है। रेडियो कंपनियों का मानना है कि ज्यादा फीस, नीतियों में देरी और लगातार पाबंदियों की वजह से सेक्टर की आर्थिक हालत कमजोर होती गई। एआरओआई के मुताबिक, देश का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन रेडियो इंडस्ट्री अभी भी संघर्ष कर रही है। रेडियो कंपनियों के मुताबिक, उनकी कुल कमाई का एक बड़ा हिस्सा फीस और टैक्स में चला जाता है। इसमें जीएसटी, एनुअल लाइसेंस फीस, टावर और स्पेक्ट्रम चार्ज जैसे खर्च शामिल हैं। ऐसे में कंपनियों के पास कंटेंट, टेक्नोलॉजी और विस्तार पर निवेश के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं बचते। रेडियो सेक्टर की चुनौतियां अब विज्ञापन बाजार में भी असर दिखाने लगी हैं। देशभर में एफएम स्टेशनों की संख्या बढ़ी, लेकिन इंडस्ट्री की कमाई उस रफ्तार से नहीं बढ़ पाई। समय रहते बदलाव नहीं हुए, तो मुश्किलें बढ़ेंगी- कंपनियों का कहना है कि अगर समय रहते जरूरी बदलाव नहीं हुए, तो आने वाले समय में रेडियो सेक्टर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि जिस रेडियो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' जैसे कार्यक्रम के जरिए देश से संवाद का मजबूत माध्यम बनाया, क्या उसी रेडियो इंडस्ट्री की 'मन की बात' अब सरकार तक पहुंच पाएगी?

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर दिए गए राहुल गांधी के विवादित बयान पर दिनेश प्रताप सिंह का पलटवार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह और जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी के उसे बयान की निंदा की है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह को गद्दार कहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र में आकर जनता का सुख दुःख पूछना चाहिए न कि प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री को खाली देनी चाहिए। आर्थिक तूफान वाले बयान पर कहा कि आज भारत विश्व की चौथी अर्थ व्यवस्था बन चुका और शीघ्र ही प्रथम पायदान पर पहुंचेगा। वर्तमान में वैश्विक संकट के चलते प्रधानमंत्री ने सतर्क किया है। भारत कोरोना जैसी बीमारी में भी सबसे कम नुकसान वाला देश रहा है। राहुल गांधी स्वयं तो कोई पहल व सहयोग नहीं कर रहे हैं और अडानी तथा अंबानी के गुण गा रहे हैं,जिसके लिए वह चाहे तो लोकसभा में अपना प्रश्न उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में जनता उन्हें रायबरेली में घुसने भी नहीं देगी।

आबकारी विभाग द्वारा मदिरा दुकानो का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के

निर्देशन पर जिले में ओवर रेटिंग की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग के मैदानी अमले द्वारा शहडोल नगर के सोहागपुर, बस स्टैंड स्थित कंपोजिट मदिरा दुकान, बुढ़ार रोड स्थित शराब दुकान सहित अन्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने दुकानों में रेट सूची, बिक्री व्यवस्था एवं ग्राहकों से बातचीत कर जानकारी ली तथा दुकानदारो को शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने एवं ओवर रेटिंग जैसी शिकायतें नहीं आने देने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान आबकारी निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी सहित आबकारी विभाग के अन्य मैदानी अमला उपस्थित रहा।

दोषी पति को 10 वर्ष के कारावास की सजा,11 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी, दो वर्ष पूर्व हुए ललिता हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब दो वर्ष पूर्व हुए ललिता हत्याकांड के मामले में शुक्रवार को सुनवाई के मुताबिक शिवकुमार पुत्र स्वर्गीय राम सहाय निवासी कोरची टोला बियादामर , थाना दुद्धी, जिला सोनभद्र ने दुद्धी आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। अपराध बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने,

ज्ञानेंद्र शरण रॉय जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी, सोनभद्र

करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी पति रामप्यारे को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि एक अप्रैल 2023 को शाम 7 बजे उसका बड़ा भाई रामप्यारे अपनी पत्नी ललिता(45) को अनायास घर पर गाली गलौज देते हुए डंडे से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। उसे सिर में गम्भीर चोटें आई हैं। जब अस्पताल ले जाने की तैयारी हो रही थी तभी ललिता की मौत हो गई। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर रामप्यारे के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्त के पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने गम्भीर गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी पति रामप्यारे को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके ऊपर 11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

वाराणसी में 43 साल पुरानी 10 बीघा जमीन फर्जी तरीके से नाम दर्ज कर प्लाटिंग कर बेचने का आरोप, पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटकता रहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरहुआ/वाराणसी। प्रदेश सरकार जहां गरीबों को न्याय दिलाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार योजनाएं लागू कर रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से गरीबों की जमीनों पर कब्जा कराने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला फूलपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर पहिले पार गांव से सामने आया है, जहां करीब 43 वर्ष पुरानी 10 बीघा विवादित जमीन को फर्जी तरीके से अपने नाम दर्ज कराकर प्लाटिंग कर बेचने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित परिवार वर्षों से न्याय की गुहार लगा रहा है, लेकिन अब तक उसे राहत नहीं मिल सकी है। जानकारी के अनुसार, श्यामा एवं अन्य की ओर से फुलेसरी पत्नी सूरज तथा धनिया पत्नी बैजनाथ निवासी जगदीशपुर, बाबतपुर, वाराणसी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका संख्या 13647/1983 दाखिल की गई थी। इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय ने 14 फरवरी 1984 को विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। पीड़ित परिवार का आरोप है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद फलेश्वरी पत्नी सूरज की मृत्यु के बाद उसके पुत्र समारू एवं गुड्डन ने जमीन पर कब्जा कर लिया। बाद में समारू की मृत्यु के पश्चात उसके पुत्र अमर बहादुर, लक्ष्मण और अर्जुन, दुखना देवी पत्नी समारू तथा पप्पू पांडे, गिरजा शंकर यादव और कैलाश आदि लोगों ने कथित रूप से जमीन की प्लाटिंग कर बिक्री शुरू कर दी। पीड़ित पक्ष का कहना है कि यह पूरा मामला तहसीलदार फूलपुर और रजिस्ट्रार कार्यालय की कथित मिलीभगत से हुआ। आरोप है कि न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद खतौनी में विपक्षियों का नाम दर्ज कर जमीन का बैनामा कर दिया गया और करोड़ों रुपये में प्लॉट बेच दिए गए। इससे हाईकोर्ट के आदेशों की खुली अवहेलना हुई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि जमीन विवाद ने उनकी जिंदगी तबाह कर दी है। आज वे पक्के मकान के बजाय झोपड़ी में रहने को मजबूर हैं। परिवार के सदस्यों ने भावुक होकर कहा कि वर्षों से न्याय की आस में जिंदगी गुजर रही है, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। जब पीड़ित को जमीन बिक्री की जानकारी हुई तो उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। प्रार्थना पत्र के साथ कथित बैनामे और हाईकोर्ट के आदेश की प्रतियां भी संलग्न की गईं। इसके बावजूद विवादित भूमि पर कब्जा और बिक्री जारी रहने का आरोप लगाया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता कृष्णानंद सिंह ने बताया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और ऐसी स्थिति में जमीन की बिक्री करना गलत है। उन्होंने कहा कि मामले में 27 अप्रैल 2026 को सुनवाई हुई थी तथा जल्द निर्णय आने की उम्मीद है। पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि इसी जमीन विवाद को लेकर पहले भी कई हिंसक घटनाएं और हत्याएं हो चुकी हैं। परिवार भय और तनाव के माहौल में जीने को मजबूर है। पीड़ितों ने प्रशासन और न्यायालय से गुहार लगाते हुए कहा, 'साहब, कब मिलेगा न्याय? हम वर्षों से न्याय की आस लगाए बैठे हैं।' परिवार का आरोप है कि फूलपुर थाने, पिंडरा एसडीएम और तहसील प्रशासन को कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

क्या आपको ना कहना आता हैं ?

सबको खुश रखती हूं, सबकी बात मानती हूं, दिल 'ना' कहना चाहता है, लेकिन मुंह से 'हां' निकलता है, ये आदत कैसे बदलूं?

नयी दिल्ली। यह एक ऐसी समस्या हैं जो फेस तो सब करते हैं लेकिन शेयर कोई नहीं कर पाता ऐसी विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल- मैं 34 साल की शादीशुदा महिला हूं और स्कूल टीचर हूं। मेरी सबसे बड़ी समस्या यह है कि मैं किसी को 'ना' नहीं कह पाती। घर हो या ऑफिस, मैं हमेशा दूसरों की जरूरतों को अपनी जरूरतों से पहले रखती हूं। ऑफिस में सहकर्मी अक्सर अपना काम भी मुझसे करवा लेते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि मैं मना नहीं करूंगी। ससुराल वालों की भी हर बात मान लेती हूं। भले ही उससे मुझे मानसिक-शारीरिक थकान हो रही हो। मैं जानती हूं, लोग मुझे यूज करते हैं, लेकिन फिर भी मना करने में गिल्ट होता है। मैं खुद को बदलना चाहती हूं। इस आदत से बाहर कैसे निकलूं? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। मदद करना अच्छी बात है, लेकिन जब दूसरों को खुश रखने के लिए आप अपनी जरूरतों और मानसिक शांति को नजरअंदाज करने लगें, तो यह आदत बोझ बन सकती है। 'ना' कहना गलत नहीं, बल्कि इमोशनल हेल्थ के लिए जरूरी है। समस्या की असली जड़ कहां हैं? क्या आप 'अगर मैंने मना किया तो लोग बुरा मान जाएंगे।' 'अच्छी बहू, पत्नी या टीचर वही है, जो हमेशा सबके काम आए।' 'किसी बात के लिए ना कहना असल में स्वार्थी होना होता है।' 'अगर मैंने बाउंड्री ड्रॉ कर दी तो लोग मुझे पसंद नहीं करेंगे।' यानी बाहर से तो आप लोगों की मदद कर रही हैं, लेकिन अंदर से आपके कारण कुछ और हैं। आपके मन में डर और गिल्ट है और आपको सबके अप्रूवल की जरूरत है। यानी की आपकी 'हां' मदद के लिए कही गई 'हां' नहीं, बल्कि गिल्ट और डर से कही गई 'हां' हैं। इमोशनल पैटर्न- आप सोचती हैं, 'मैं तो बस सबका भला चाहती हूं।' लेकिन कई बार इसके पीछे सिर्फ मदद करने की भावना नहीं होती, बल्कि कुछ गहरे इमोशनल पैटर्न भी काम कर रहे होते हैं। हो सकता है कि आप टकराव से बचना चाहती हों। हो सकता है कि आपको रिजेक्शन या लोगों की नाराजगी का डर हो। हो सकता है, दूसरों की नाराजगी सहना आपके लिए मुश्किल हो। हो सकता है, आपने बचपन से यही सीखा हो कि प्यार और तारीफ पाने के लिए हमेशा 'हां' कहना जरूरी है। ऐसे में धीरे-धीरे यह सिर्फ एक आदत नहीं रहती, बल्कि आपकी पहचान का हिस्सा बन जाती है।फिर आप अपनी जरूरतों से पहले दूसरों की उम्मीदों को पूरा करने लगती हैं, चाहे इसके बदले आपको मानसिक थकान और भीतर ही भीतर नाराजगी क्यों न महसूस हो। अपने मनोविज्ञान को समझें- करें एक जरूरी सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट-यहां हम आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहे हैं। इसमें 10 ब्लैंक कॉलम हैं। यहां आपको पिछले 7 दिनों की वो 10 सिचुएशंस लिखनी हैं, जब आपने 'हां' कहा। जैसकि- पूजा ने बाजार जाने को कहा तो मैं उसके साथ चली गई। प्रभा ने स्कूल में अपनी क्लास लेने के लिए कहा तो मैंने हां कर दी।

सभी सिचुएशंस से जुड़े 5 सवाल हैं, जैसेकि- 1. क्या मैं सचमुच यह करना चाहती थी? 2. मना करने पर कितना गिल्ट होता? 3. कितना डर था कि सामने वाला नाराज होगा? 4. हां कहने के बाद कितनी थकान या पछतावा हुआ? 5. इससे मेरे काम, आराम या स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ा? इन पांचों सवालों को आपको 0 से 4 के स्केल पर रेट करना है, अपना टोटल स्कोर निकालना है और अंत में अपने स्कोर की एनालिसिस करनी है। 4 हफ्ते का सीबीटी आधारित सेल्फ हेल्प प्लानः-सप्ताह 1 अपनी आदत को समझें, लक्ष्यः इस हफ्ते का लक्ष्य खुद को बदलना नहीं, बल्कि अपनी आदत को समझना है। ध्यान दें कि आप किन परिस्थितियों में बिना मन के 'हां' कह देती हैं। हर बार 'हां' कहने के बाद ये बातें नोट करें:- सिचुएशन क्या थी? यानी सामने कौन था और क्या कहा गया? उस समय मन में क्या विचार आए? जैसे- 'अगर मना किया तो बुरा मान जाएंगे।' आपने क्या महसूस किया? जैसे- डर, गिल्ट, घबराहट या दबाव। आपने सामने वाले से क्या कहा? आप वास्तव में क्या कहना चाहती थीं? इस हफ्ते की छोटी प्रैक्टिस-तुरंत जवाब देने की बजाय यह वाक्य बोलने की आदत डालें:- 'मैं सोचकर बताऊंगी।' 'अभी तुरंत जवाब देना मुश्किल है।' 'मुझे थोड़ा समय चाहिए।' यह छोटा-सा पॉज आपको बिना सोचे 'हां' कहने से रोकने में मदद करेगा। सप्ताह 2:-अपने विचारों को चुनौती दें- लक्ष्यः हरेक गिल्ट को पहचानना और उसे परखना। कई बार हमारा डर सच नहीं, सिर्फ एक आदत होता है। एक उदाहरणः- विचारः 'अगर मैंने मना किया तो लोग मुझे बुरा समझेंगे।' अब खुद से ये सवाल पूछिएः क्या इसका कोई ठोस बोलने की प्रैक्टिस शुरू करें। शुरुआत छोटी बातों से करें, ताकि धीरे-धीरे आपका कॉन्फिडेंस बढ़े। यहां मैं आपको कुछ वाक्यों के उदाहरण दे रहा हूं- 'मैं समझती हूं कि आपको मदद चाहिए, लेकिन आज मैं यह नहीं कर पाऊंगी।' 'इस हफ्ते मेरा काम पहले से बहुत ज्यादा है, इसलिए मैं एक्स्ट्रा काम नहीं ले सकती।' 'अभी मैं आराम कर रही हूं, यह बाद में देखेंगे।''मैं इस बार नहीं कर पाऊंगी।' 'मैं मदद करना चाहती हूं, लेकिन अभी मेरे पास समय नहीं है।' 'ना' कहते समय इन बातों का ध्यान रखें- बहुत लंबा एक्सप्लेनेशन न दें। बार-बार 'सॉरी' न बोलें। झूठा बहाना बनाने की कोई जरूरत नहीं है। अपनी बात शांत और स्पष्ट तरीके से कहें। ब्रोकेन रिकॉर्ड टेक्नीक अपनाएं। यानी अगर सामने वाला दबाव डाले या बार-बार मनाने की कोशिश करे तो बहुत शांत स्वरों में अपनी बात दोहराएं। ब्रोकेन रिकॉर्ड टेक्नीक के कुछ उदाहरणः 'मैं इस बार नहीं कर पाऊंगी।' 'जैसाकि मैंने कहा, अभी यह संभव नहीं है।' 'अभी मेरे लिए यह पॉसिबल नहीं है।' इस टेक्नीक का मकसद बहस करना नहीं, बल्कि अपनी बाउंड्री को स्पष्ट करना है। सप्ताह 4:-बाउंड्रीज मजबूत करें, लक्ष्यः स्पष्ट और मजबूत बाउंड्रीज बनाना। अब तक आपने अपने पैटर्न समझे, विचारों को चैलेंज किया और छोटे-छोटे 'ना' बोलने का अभ्यास किया। इस हफ्ते फोकस है- अपनी बाउंड्रीज को स्पष्ट और मजबूत बनाना।इस हफ्ते कम-से-कम दो जगह बाउंड्रीज बनाएं:-एक बाउंड्री ऑफिस में तय करें। एक बाउंड्री घर में तय करें। अपनी 3 नॉन-नेगोशिएबल बाउंड्री लिखें। ऐसी बातें, जिन पर आप अब समझौता नहीं करेंगी। कुछ उदाहरणः मेरा रेस्ट टाइम बहुत जरूरी है। मैं अपना काम पहले पूरा करूंगी। बिना नोटिस के एक्स्ट्रा बोझ नहीं लूंगी। हर समय उपलब्ध रहना जरूरी नहीं है। अब खुद से ये सवाल पूछें:-कौन बार-बार मेरी बाउंड्री लांघता है? अगली बार मैं उससे ठीक-ठीक क्या कहूंगी? अगर सामने वाला नाराज हुआ तो मैं खुद को क्या याद दिलाऊंगी? ये 5 हेल्दी रिमाइंडर खुद को याद दिलाएं- 'मैं बुरी नहीं हूं, सिर्फ अपनी सीमा तय कर रही हूं।' 'हर रिक्वेस्ट को एक्सेप्ट करना मेरी जिम्मेदारी नहीं है।' 'ना कहना भी एक ईमानदार जवाब है।' 'दूसरों की अपेक्षाएं मेरी पहचान को तय नहीं करतीं।' 'मैं मददगार हो सकती हूं, लेकिन हमेशा उपलब्ध रहना जरूरी नहीं है।' याद रखिएःअच्छा इंसान होना और हर समय उपलब्ध रहना, दोनों अलग बातें हैं। दयालु होना अच्छी बात है, लेकिन खुद को इग्नोर करना दयालुता नहीं है। आपका लक्ष्य कठोर बनना नहीं है। लक्ष्य सिर्फ इतना है कि आप शांत, स्पष्ट और सम्मानजनक तरीके से अपनी सीमाएं तय कर सकें। अंतिम बातः-स्वस्थ रिश्तों की शुरुआत अपनी सीमाएं तय करने से होती है। 'ना' कहना स्वार्थ नहीं, सेल्फ रिस्पेक्ट है। जब आप गिल्ट के बावजूद शांत होकर अपनी जरूरतों को महत्व देना सीखते हैं, तभी असली इमोशनल हीलिंग शुरू होती है। हर बात पर 'हां' कहती हैं। जब दिल 'ना' कहना चाहता है, तब भी आपके मुंह से 'हां' निकल जाता है। अगर आप ऐसा महसूस करती हैं, तो यह समझना जरूरी है कि समस्या सिर्फ आपकी 'अच्छाई' नहीं है। असली समस्या यह है कि आप भीतर से तो मना करना चाहती हैं, लेकिन कर नहीं पाती हैं। इसलिए हर बार 'हां' कह देती हैं। धीरे-धीरे इसका असर दिखाई देने लगता है और आप-थकने लगती हैं। मन में चिड़चिड़ापन आता है। लोगों पर गुस्सा आता है। खुद पर भी गुस्सा आता है। मानसिक और शारीरिक थकान के साथ कई बार खुद पर भी नाराजगी होने लगती है। फिर भी अगली बार आप दोबारा 'हां' कह देती हैं। यही चक्र बार-बार चलता रहता है। इसके पीछे अक्सर कुछ गहरे डर काम करते हैं, जैसेकि- सबूत है?क्या हर हेल्दी रिश्ता एक 'ना' से टूट जाता है? क्या सामने वाला सच में इतना नाराज होगा, या ये सिर्फ मेरा डर है? क्या मैं किसी और को सलाह दूंगी कि वह हमेशा सबकी बात माने? क्या मैं दूसरों को खुश रखने के लिए खुद को लगातार थका रही हूं? अब एक नया बैलेंस्ड थॉट बनाइए। पुरानी सोच की जगह ज्यादा रियलिस्टिक और हेल्दी सोच विकसित करिएः 'ना कहना गलत नहीं है।' 'मेरी जरूरतें भी महत्त्वपूर्ण हैं।' 'हर बार उपलब्ध रहना जरूरी नहीं है।' 'खुद हमेशा परेशान रहने से बेहतर है, दूसरों को थोड़ा निराश करना।' सप्ताह 3:- छोटे-छोटे 'ना' का अभ्यास करें, लक्ष्यः छोटी-छोटी स्थितियों से ना बोलने की प्रैक्टिस करना। अब तक आपने अपने विचारों और पैटर्न को समझा। इस हफ्ते लो रिस्क वाली सिचुएशंस में 'ना'

विजय थलापति एक फिल्म का रु275 करोड़ लेते थे,कभी उड़ता था मजाक,राजनीति में उतरे, अब सीएम हैं

चेन्नई। साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की कहानी फिल्मों की सफलता के साथ संघर्ष, आलोचना, पारिवारिक विवाद और राजनीति तक पहुंचने की भी रही है। करियर की शुरुआत में उनके लुक्स, आवाज और एक्टिंग का मजाक उड़ाया गया। लगातार फ्लॉप फिल्मों के बाद वह एक्टिंग छोड़ने का सोचने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को लवर बॉय इमेज से निकालकर फैमिली स्टार और फिर तमिल सिनेमा के बड़े मास सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया। घिल्ली, थुपाक्की और सरकार जैसी फिल्मों में राजनीतिक और सामाजिक संदेशों ने उनकी अलग पहचान बनाई। इसी दौरान पिता एस.ए. चंद्रशेखर से राजनीतिक संगठन को लेकर विवाद भी चर्चा में रहा। बाद में विजय ने तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) लॉन्च की और अब वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। थलापति विजय का बचपन और पारिवारिक पृष्ठभूमि-साउथ सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाने वाले थलापति विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उनका जन्म 22 जून 1974 को चेन्नई में हुआ था। वह ऐसे परिवार से आते हैं, जिसका फिल्म इंडस्ट्री से गहरा संबंध रहा है। उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर तमिल फिल्मों के जाने-माने निर्देशक रहे हैं, जबकि मां शोभा चंद्रशेखर सिंगर, राइटर और प्रोड्यूसर रही हैं। घर में फिल्मी माहौल होने की वजह से विजय बचपन से कैमरा और सिनेमा की दुनिया के करीब रहे। हालांकि उनका बचपन पूरी तरह ग्लैमर से भरा नहीं था। छोटी बहन विद्या का कम उम्र में निधन हो गया था। कई इंटरव्यूज और तमिल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना के बाद विजय काफी शांत और अंतर्मुखी हो गए थे। फैंस मानते हैं कि उन्होंने बहन की याद में कई निजी प्रोजेक्ट्स में विद्या नाम का इस्तेमाल किया। पढ़ाई बीच में छोड़ी, एक्टिंग को चुना- विजय ने शुरुआती पढ़ाई चेन्नई के फातिमा मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल और बाललोक मैट्रिकुलेशन स्कूल से की थी। इसके बाद उन्होंने लोयोला कॉलेज में विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स में एडमिशन लिया। लेकिन उसी दौरान फिल्मों में उनकी व्यस्तता बढ़ने लगी। उन्होंने महसूस किया कि उनका पूरा फोकस एक्टिंग पर जा रहा है। इसी वजह से उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ दी। विजय के पास कोई बड़ी प्रोफेशनल डिग्री नहीं है, लेकिन बाद के वर्षों में कई संस्थानों ने उन्हें मानद सम्मान दिए। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि पढ़ाई अधूरी छोड़ने वाला यह लड़का आगे चलकर करोड़ों लोगों का सुपरस्टार बनेगा। पिता की फिल्म से डेब्यू, लेकिन शुरुआत रही मुश्किल- विजय ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट वेट्री, कुटुम्बम, नान सिगप्पु मनिथन, वसंत रागम, सत्तम ओरु विलयाट्टु और इधु एंगाल नीती जैसी फिल्मों में काम किया। इनमें से अधिकांश फिल्मों का निर्देशन उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर ने किया था। इसके बाद विजय ने 1992 में फिल्म 'नालैया थीरपु' से लीड एक्टर के रूप में करियर शुरू किया था। लुक्स और आवाज का मजाक उड़ाया गया- हालांकि शुरुआत उनके लिए बेहद कठिन रही। शुरुआती फिल्मों के फ्लॉप होने के साथ विजय को उनके लुक्स, आवाज और एक्टिंग के लिए आलोचना सहनी पड़ी। उस दौर की कई मैगजीन्स में लिखा गया कि वह हीरो मटेरियल नहीं हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय ने बाद में कहा था कि लोग उनके लुक्स और आवाज का मजाक उड़ाते थे। एक्टिंग छोड़ने तक का मन बना लिया था। विजय के पिता एस.ए. चंद्रशेखर ने इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें लॉन्च करने के फैसले पर सवाल उठाए थे। लगातार आलोचना से विजय इतने परेशान हो गए थे कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ने का मन बना लिया था। लेकिन परिवार, खासकर उनके पिता ने उन्हें हिम्मत दी और मेहनत जारी रखने की सलाह दी। बहन की मौत ने बदल दिया स्वभाव- विजय की जिंदगी में बहन विद्या की मौत सबसे बड़ा भावनात्मक झटका मानी जाती है। परिवार के करीबी लोगों के मुताबिक, पहले विजय काफी शरारती थे, लेकिन बहन के निधन के बाद उनमें गंभीरता आ गई। इसी दौर में उनका फिल्मों और किताबों की तरफ झुकाव बढ़ा। कई फिल्म समीक्षकों का मानना है कि उनकी फिल्मों में दिखाई देने वाली इमोशनल डेप्थ उनके निजी संघर्षों से जुड़ी रही। इंडस्ट्री में शुरुआती रिजेक्शन और आलोचना के बावजूद विजय टूटे नहीं। उन्होंने डांस, स्क्रीन प्रेजेंस, बॉडी लैंग्वेज और डायलॉग डिलीवरी पर लगातार मेहनत की। यही मेहनत आगे चलकर उनकी पहचान बनी। 'लवर बॉय' से बने फैमिली स्टार- 1996 में रिलीज हुई 'पूवे उनाक्कागा' विजय के करियर का पहला बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। यह उनके करियर की पहली बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इस रोमांटिक-ड्रामा फिल्म ने विजय को तमिल सिनेमा का बड़ा स्टार बना दिया और उनकी छवि स्थापित रोमांटिक हीरो की बन गई। वह फैमिली ऑडियंस और युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए। इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक और फैमिली फिल्में कीं। धीरे-धीरे उनकी इमेज लवर बॉय स्टार के रूप में बनने लगी। उस दौर में विजय की सबसे बड़ी ताकत उनकी सरलता और साफ छवि मानी जाती थी। वह बाकी स्टार्स की तरह ज्यादा विवादों में नहीं रहते थे और मीडिया से सीमित बातचीत करते थे। बिहाइंडवुड्स के एक पुराने इंटरव्यू में विजय ने कहा था- 'मैं ज्यादा बोलने वाला इंसान नहीं हूं।' यही रिजर्व्ड पर्सनैलिटी आगे चलकर उनकी पब्लिक इमेज का अहम हिस्सा बनी। घिल्ली और थुपाक्की ने बनाया 'मास सुपरस्टार'- 2003 की थिरुमलाई और 2004 की ब्लॉकबस्टर घिल्ली ने विजय की इमेज पूरी तरह बदल दी। अब वह सिर्फ रोमांटिक हीरो नहीं रहे, बल्कि मास एक्शन स्टार बन गए। उनकी एंट्री, डांस स्टेप्स और पंच डायलॉग्स युवाओं के बीच लोकप्रिय होने लगे। इसके बाद थुप्पाक्की, मर्सल, मास्टर और लियो जैसी फिल्मों ने उनके स्टारडम को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। खास बात यह रही कि विजय ने आलोचनाओं का जवाब विवादों से नहीं दिया। उन्होंने अपने काम से लोगों की सोच बदली। विजय अब तक 68 फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं। उनकी 69वीं फिल्म 'जन नायकन' है। इस फिल्म के बाद उन्होंने एक्टिंग से सन्यास ले लिया। यह फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंसर और अन्य विवादों की वजह से टल गई। कुछ रिपोर्ट्स में विजय के बर्थडे 22 जून 2026 को संभावित रिलीज डेट बताया गया है, लेकिन आधिकारिक फाइनल डेट अनाउंस नहीं हुई है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वह भारत के दूसरे सबसे महंगे पेड एक्टर हैं। एक फिल्म के लिए वह 130-275 करोड़ रुपए तक फीस लेते हैं। फिल्मों में राजनीतिक संदेश और बढ़ती लोकप्रियता- विजय की कई फिल्मों में सिस्टम, भ्रष्टाचार और राजनीति से जुड़े मुद्दे दिखाई दिए। मर्सल में जीएसटी और मेडिकल सिस्टम पर टिप्पणी चर्चा में रही, जबकि सरकार में वोटिंग और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर फोकस किया गया। बीबीसी न्यूज की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन फिल्मों के डायलॉग्स और सीन राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए थे। इससे विजय की पॉलिटिकली अवेयर स्टार वाली इमेज मजबूत हुई। इसी दौरान उनका फैन नेटवर्क 'विजय मक्कल इयक्कम' तेजी से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय होने लगा। ब्लड डोनेशन कैंप, गरीबों को खाना बांटना और एजुकेशन सपोर्ट जैसे कार्यक्रमों ने विजय को सिर्फ अभिनेता नहीं, बल्कि सामाजिक चेहरा बना दिया। पिता से विवाद ने मचाई हलचल-2020 में विजय और उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर के रिश्ते सार्वजनिक विवाद की वजह से सुर्खियों में आ गए। दरअसल, एस.ए. चंद्रशेखर ने 'ऑल इंडिया थलापति विजय मक्कल इयक्कम' नाम से राजनीतिक संगठन रजिस्टर कराया था। इसके बाद विजय ने बयान जारी कर कहा कि उनका उस संगठन से कोई संबंध नहीं है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय नहीं चाहते थे कि उनकी राजनीतिक पहचान किसी और के फैसले से तय हो। इसी घटना के बाद पिता-पुत्र के रिश्तों में तनाव की खबरें आने लगीं। हालांकि बाद में एस.ए. चंद्रशेखर ने माना कि रिश्तों में उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच सुलह हुई। 2023 में दोनों फिर साथ दिखे। मां शोभा चंद्रशेखर बनीं सबसे बड़ा सहारा- इन पारिवारिक तनावों के बीच विजय की मां शोभा चंद्रशेखर हमेशा उनके साथ खड़ी रहीं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने पिता और बेटे के बीच सुलह कराने में अहम भूमिका निभाई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विजय अपनी मां के बेहद करीब हैं। उनके लिए चेन्नई में साईं बाबा मंदिर बनवाने की खबर काफी चर्चित रही। राजनीति में एंट्रीः लॉन्च की टीवीके फरवरी 2024 में विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके लॉन्च की। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी लॉन्च करते समय विजय ने कहा था कि राजनीति उनके लिए जन-केंद्रित सेवा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, जाति आधारित राजनीति और डिविसिव पॉलिटिक्स के खिलाफ काम करना उनका लक्ष्य होगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, विजय लंबे समय से अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे थे। उनका फैन नेटवर्क पहले से जमीनी स्तर पर सक्रिय था और 2021 के लोकल बॉडी चुनावों में समर्थित उम्मीदवारों की जीत ने इसकी ताकत दिखा दी थी। कहा-पैसों के लिए वोट मत बेचिए-2023 में छात्रों और बोर्ड टॉपर्स को सम्मानित करने वाले कार्यक्रम में विजय का एक बयान वायरल हुआ था। द हिंदू की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने युवाओं से कहा था- 'पैसों के लिए अपना वोट मत बेचिए।' इस बयान को उनकी राजनीतिक एंट्री का बड़ा संकेत माना गया। विजय युवाओं से फर्स्ट टाइम वोटर्स और क्लीन पॉलिटिक्स की बात करते थे। विश्लेषकों का मानना है कि वह खुद को सिर्फ स्टार नहीं, बल्कि 'यूथ-सेंट्रिक लीडर' के रूप में पेश करना चाहते थे। सीएम कैसे बने विजय? विजय की राजनीति में एंट्री के बाद टीवीके ने तेजी से अपना जनाधार बढ़ाया। युवाओं, फर्स्ट टाइम वोटर्स और उनके मजबूत फैन नेटवर्क ने पार्टी को जमीनी स्तर पर फायदा पहुंचाया। चुनाव प्रचार के दौरान विजय ने भ्रष्टाचार, शिक्षा, बेरोजगारी और क्लीन पॉलिटिक्स को मुख्य मुद्दा बनाया।चुनाव में टीवीके को बड़ी सफलता मिली और पार्टी तमिलनाडु की सत्ता तक पहुंच गई। इसके बाद टीवीके विधायक दल की बैठक में विजय को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। फिर उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने कहा कि उनकी राजनीति का मकसद जनता के लिए काम करना है और वह युवाओं व आम लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्म स्टार्स का लंबा इतिहास रहा है। एम. जी. रामचंद्रन, जे. जयललिता और एन. टी. रामा राव जैसे सितारे सत्ता तक पहुंच चुके हैं। शादी, परिवार और तलाक की चर्चाएं-विजय ने 25 अगस्त 1999 को संगीता सोरनलिंगम से शादी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संगीता यूके बेस्ड श्रीलंकाई तमिल परिवार से थीं और पहले विजय की बड़ी फैन थीं। दोनों के दो बच्चे हैं- जेसन संजय (बेटा) और दिव्या शाशा (बेटी)। उनके बेटे जेसन संजय फिल्ममेकिंग और निर्देशन में रुचि रखते हैं। लंबे समय तक विजय की इमेज फैमिली मैन स्टार की रही, लेकिन 2026 में उनके रिश्ते को लेकर तलाक की खबरों ने जोर पकड़ लिया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि संगीता ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की है। कुछ रिपोर्ट्स में एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर और लंबे समय से अलग रहने जैसी बातें सामने आईं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई और विजय की तरफ से सीमित सार्वजनिक प्रतिक्रिया आई। सोशल मीडिया और रेड्डिट पर इस मुद्दे को लेकर बहस हुई। कुछ लोगों ने इसे उनकी राजनीतिक छवि से जोड़कर देखा, जबकि कई फैंस ने उनका समर्थन किया। पत्नी से तलाक की खबरों के अलावा भी विजय का नाम कुछ और विवादों से जुड़ा है।

लड़कियों पर हुए अन्याय पर आधारित फ़िल्म और

वेबसीरिज 'दिल्ली फाइल्स' भारत के अलाबा अन्य देशों मैं भी होंगी रिलीज,ये एक सत्य घटना पर आधारित है दिल्ली फाइल्स. की स्टोरी और स्क्रीनप्ले का कार्य पूरा हो चुका है फ़िल्म के डायरेक्टर विकास सिंह ने बताया जल्दी ही इसकी शूटिंग प्रारम्भ होने वाली है दिल्ली फाइल्स की कास्टिंग डायरेक्टर मिस. शिवानी ठाकुर द्वारा की जा रही है मुंबई के अलाबा कई राज्यों मैं इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने जा रही है जिसमे कई छेत्रीय कलाकारों को मौका दिया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।